सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 57 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 10 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मुख्यमंत्री साय ने अमर शहीद वीर नारायण सिंह को बलिदान दिवस पर किया नमन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा के ऐसे महान जननायक थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा, अन्याय के प्रतिरोध और वंचित वर्गों की सेवा को अपने जीवन का ध्येय बनाया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सोनाखान के जमींदार परिवार में जन्म लेकर भी शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन सदैव आदिवासियों, किसानों और गरीब परिवारों के संघर्षों से जुड़ा रहा। वर्ष 1856 के विकट अकाल में जब आमजन भूख से त्रस्त थे, तब उन्होंने मानवता को सर्वोपरि रखते हुए अनाज गोदाम का अनाज गरीबों में वितरित कर त्याग, करुणा और साहस की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की। साय ने कहा कि वीर नारायण सिंह ने जनता में देशभक्ति, स्वाभिमान और एकता की लौ प्रज्वलित की। शहीद वीर नारायण का संघर्ष केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध नहीं था, बल्कि हर प्रकार के अन्याय, दमन और सामाजिक शोषण के खिलाफ था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह का बलिदान छत्तीसगढ़ की अस्मिता, वीरता और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का प्रेरक अध्याय है। वे गरीबों, किसानों और वंचितों के सच्चे रक्षक थे और उनकी गाथा सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। उल्लेखनीय है कि वीर नारायण सिंह का जन्म 1795 में हुआ था। 10 दिसम्बर 1857 को रायपुर के जयस्तंभ पर मृत्युदंड दे दिया गया था।

खास-खबर

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज को मिले न्यूरो, यूरो और नेफ्रो के विशेषज्ञ

रायपुर। स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ में दिवंगत अधिष्ठाता डॉ विनीत जैन के द्वारा किए गए प्रयासो के उपरांत शहर के सुप्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ नितीश नायक, यूरोसर्जन डॉ के.डी. खरे एवं नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. मीना पटेल सप्ताह में एक दिन चिकित्सा परामर्श देकर इलाज करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति को रायगढ़ मेडिकल कालेज में आने वाले मरीजों के लिए लाभदायक बताया है। उन्होंने कहा कि शासन का प्रयास है कि लोगों को उनके शहरों और गांवों के आसपास ही बेहतर और उच्च चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों ताकि उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी न तय करनी पड़े और त्वरित तथा बेहतर इलाज से उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिले।

रक्षक पाठ्यक्रम से सुरक्षित होगा विद्यार्थियों का भविष्य - साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने भी पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक बताया।

दीपावली को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया

नई दिल्ली। यूनेस्को ने दिवाली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा, 'दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा है।' भारत की 15 अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में शामिल हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छाऊ नृत्य भी शामिल हैं। ये फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी।

वापस होंगे आत्मसमर्पित नक्सलियों के खिलाफ मामले, उपसमिति को हरीझंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ दर्ज और लंबित मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इसके लिए उपसमिति के गठन को मंजूरी दे दी गई।

मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों की समीक्षा एवं परीक्षण के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है, मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दे दी है। यह समिति परीक्षण उपरांत प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/ पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत आत्मसमर्पित नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्रकरण वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय अभिमत सहित प्रस्ताव भेजेगा। शासन द्वारा विधि विभाग का अभिमत प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित प्रकरणों को अंतिम अनुमोदन हेतु मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा। केंद्रीय अधिनियम अथवा केंद्र सरकार से संबंधित प्रकरणों के लिए भारत सरकार से आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी। अन्य प्रकरणों को न्यायालय में लोक अभियोजन अधिकारी के माध्यम से जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

इसके अलावा मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न कानूनों को समयानुकूल और नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 14 अधिनियमों में संशोधन हेतु छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। कई अधिनियमों में उल्लंघन पर जुर्माना या कारावास के प्रावधान होने से न्यायिक प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिससे आम नागरिक और व्यवसाय दोनों अनावश्यक रूप से प्रभावित होते हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इन प्रावधानों का सरलीकरण आवश्यक है।

महिला डीएसपी के इश्क में लुटा रायपुर का कारोबारी, पहुंचा कोर्ट

श्रीकंचनपथ समाचार/एजेंसी

रायपुर। होटल कारोबारी दीपक टंडन ने महिला डीएसपी कल्पना वर्मा पर रिश्वत, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। कारोबारी का दावा है कि डीएसपी ने पहले उन्हें लव ट्रैप में फंसाया और झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए, महंगी गाड़ियां और कीमती गहने ले लिए। हालांकि कल्पना वर्मा ने सभी आरोपों को निराधार और साजिश बताया है। मामला कोर्ट पहुंच गया है।

कारोबारी के अनुसार कल्पना साल 2021 में कुछ साथियों के साथ टंडन के होटल पहुंची थी। कल्पना का एक बैच मेट और टंडन एक दूसरे को जानते थे। इसी ने टंडन और कल्पना की मुलाकात कराई। नंबर एक्चेंज हुए और फिर बातचीत शुरू हो गई।

कल्पना जब भी रायपुर आती दोनों की मुलाकात होती। फिर साथ घूमने-फिरने और शॉर्ट टूर पर भी जाने लगे। टंडन ने सोचा था कि अच्छे ओहदे पर बैठी महिला से दोस्ती कभी भी काम आ सकती है। वहीं शायद वर्मा ने सोचा था कि बिजनेसमेन से दोस्ती अपना बिजनेस शुरू करने के काम आएगा। फिर कल्पना का ट्रांसफर महासमुंद से माना हो गया। रोजाना मिलने लगे और घर आना-जाना भी शुरू हो गया।

2023 में टंडन ने एटमॉस्फेरिया रेस्टोरेंट खरीदने का प्रस्ताव रखा। कल्पना के पिता के खाते में 32 लाख रुपए भी डाले। 12 लाख रूपए कैश भी दिए। न डील हुई न पैसे वापस मिले। उसने डीएसपी को लाखों की जूलरी और कार भी दिलाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार टंडन ने खम्हारडीह थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए वॉट्सऐप चैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत पुलिस को सौंपे हैं। आरोप है कि जब उन्होंने शिकायत वापस लेने से इनकार किया, तो डीएसपी ने फर्जी मामलों में जेल भेजने की धमकी दी है।

संसद में चुनाव सुधारों पर गर्मा-गर्म बहस, शाम को बोलेंगे शाह

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली। मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। बुधवार शाम 5 बजे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लोकसभा में बहस का समापन करते हुए चुनाव सुधारों पर बोलेंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि गृहमंत्री अमित शाह आज शाम 5 बजे के आसपास लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बोलेंगे।

इससे पहले किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा कि मुझे उम्मीद थी कि राहुल गांधी कुछ ठोस सुझाव देंगे, लेकिन उन्होंने हम सभी को निराश किया है। संसद का समय अमूल्य है, और देश विपक्ष के नेता से बेहतर भाषण की उम्मीद करता है।

इससे पहले विपक्ष ने विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया को एनआरसी का नाम देकर मतदाता अधिकारों पर हमला बताया, तो भाजपा ने कांग्रेस पर वोट चोरी के पुराने आरोप लगाए। लोकसभा में राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया में तीन प्रमुख सुधारों की मांग की।

राहुल गांधी ने कहा कि सबसे बड़ा राष्ट्र-विरोधी कृत्य वोट 'चोरी' है। जब आप वोट नष्ट करते हैं, तो भारत की अवधारणा नष्ट करते हैं। राहुल ने मांग की कि चुनाव से कम से कम एक महीने पहले मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट सार्वजनिक हो, सीसीटीवी फुटेज मिटाने वाला कानून वापस लिया जाए, विपक्ष को ईवीएम तक पहुंच मिले, और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाए। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ये सुधार नहीं चाहती, लेकिन हम हर हाल में बदलाव लाएंगे।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 10 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) इस प्रक्रिया में अपनी जान गंवा चुके हैं। हम मांग करते हैं कि मृतक बीएलओ के परिवार को 1 करोड़ रुपए की अनुदान राशि और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

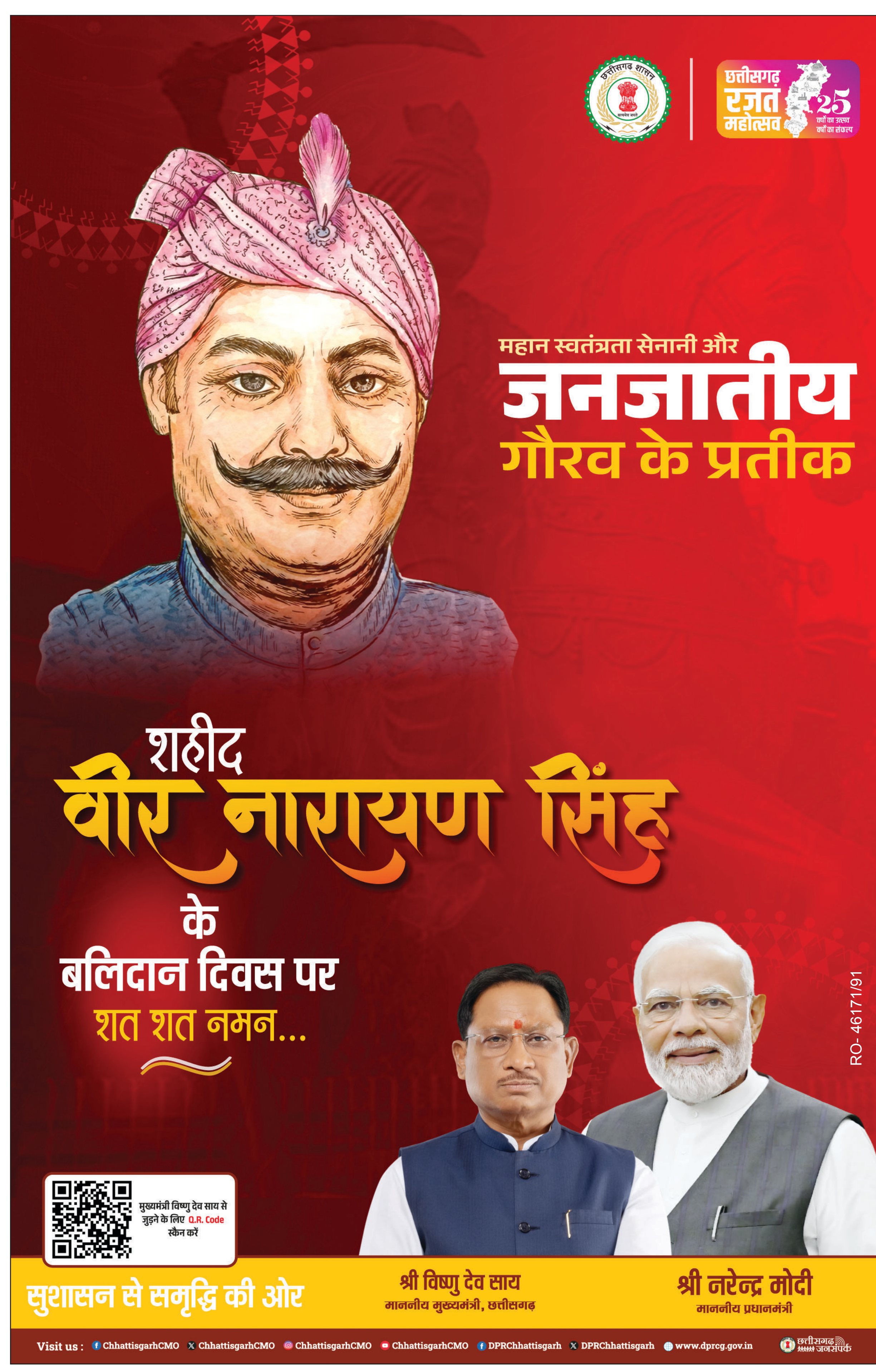

सड़क सुरक्षा पर फिर जारी हुए दिशा-निर्देश

भारत में प्रतिदिन हजारों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं. 2024 में सड़क हादसों में कुल 1.77 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में से आधे दुपहिया चालक थे. सड़क हादसों के कारणों में असुरक्षित सड़कें, कटी-फटी सड़कें, यातायात नियमों के पालन में कोताही, जल्दबाजी, नशे में गाड़ी चलाने से लेकर सड़कों पर मवेशियों की उपस्थिति, आदि शामिल हैं. सड़क हादसों को कम करने के लिए प्रतिवर्ष 11 से 17 जनवरी तक सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है. लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाती है, सुरक्षा उपकरणों (सीट बेल्ट और हेल्मेट) का उपयोग करने की सलाह दी जाती है. यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह भी दी जाती है. पर यह पूरी कवायद अपने लक्ष्य से भटकी हुई प्रतीत होती है. शायद ही कोई पढ़ा लिखा व्यक्ति होगा जिसे यातायात नियमों की जानकारी नहीं होती. वैसे इसे एक वैकल्पिक विषय की तरह पढ़ाया भी जाए तो किसी को दिक्कत नहीं होनी चाहिए. अभी केवल छोटे बच्चों को पढ़ाया जाता है कि लाल, हरी और पीली बत्ती का क्या मतलब होता है. उन्हें सिखाया जाता है कि सड़क को पार करने से पहले दाएं और बाएं देखना चाहिए. कदाचित नियम बनाने वालों को नहीं मालूम कि शहरी लोग इस तरह से सड़क पार नहीं करते. वो कहीं से भी, कभी भी रास्ता पार कर सकते हैं. एक हाथ से गाड़ियों को रुकने का इशारा करते हुए वे बिना किसी ओर देखे सड़क पार करते हैं. कुछ लोग मुख्य सड़क पर 15-20 की रफ्तार से गाड़ी चलाते हैं जो दूसरे वाहनों को ओवरटेकिंग के लिए बाध्य करता है. कई लोग तो इसलिए भी हादसों का शिकार हो जाते हैं कि जिस चमचमाती सड़क पर वो पूरी रफ्तार से गाड़ी दौड़ाए जा रहे थे, आगे वह अचानक खत्म या कटी हुई मिली. कहीं कोई चेतावनी बोर्ड नहीं. पढ़े-लिखे और अनपढ़ दोनों ही चौक चौराहों तथा सार्वजनिक स्थलों पर गाड़ी पार्क करते हैं. इसके कारण भी यातायात में व्यवधान आता है. सड़क हादसे बहुत पीड़ादायक होते हैं. सभी के लिए - इसमें पीड़ित, उसका परिवार, उन्हें वहां से उठाकर अस्पताल लाने वाले और अस्पताल की ट्रॉमा टीम. इसलिए इसकी रोकथाम के प्रयास किये ही जाने चाहिए. दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इसी हफ्ते जिला स्तरीय संयुक्त सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी बैठक में थे. बैठक में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने, नेहरू नगर चौक से अंजोरा तक सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने और नेहरू नगर चौक से कुम्हारी टोल प्लाजा तक सर्विस रोड का डामरीकरण कराने के निर्देश दिये गये. एनएचआई को निर्देश दिया कि जहां-जहां सड़क के मिडिल कट बंद किये गये हैं, उसको तोड़ने वालों पर सख्त कार्यवाही करें. साथ ही भिलाई एसडीएम को सूर्या मॉल तथा सुपेला मार्केट के पास पार्किंग ठेकेदारों की मनमानी रोकने एवं सड़क से अतिक्रमण हटाने के भी आदेश दिये. देखें क्या होता है...

संपादकीय

बच्चों पर संकट

धनी देशों की तंगदिली से बढ़ेगी मृत्यु दर

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए।

> “ हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है।

दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

भारत में अब किसी भी घटनाक्रम की, चाहे वह एक बड़े संकट के रूप में क्यों न प्रकट हुआ है, तर्कसंगत या तथ्यात्मक व्याख्या नहीं होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश राजनीतिक रूप से इतना विभाजित इतिहास में कभी नहीं रहा है। पूरा देश मोदी समर्थन या मोदी विरोध में बंटा हुआ है। तभी हर घटनाक्रम की व्याख्या इसी बाइनरी में होती है। मोदी विरोधी हर घटनाक्रम को एक निर्धारित दिशा में ले जाने का प्रयास करते हैं। उनकी सारी व्याख्या एक ऐसे आइडियोलॉजिकल कंस्ट्रक्ट पर आधारित होती है, जो राहुल गांधी या कांग्रेस के इकोसिस्टम द्वारा रची गई है। इंडिगो संकट की व्याख्या भी उसी संरचनावादी सिद्धांत के आधार पर हो रही है।

डीजीसीए और इंडिगो की मनमानी का नतीजा

अजीत द्विवेदी

अच्छे खासे पढ़े लिखे समझदार लोग बता रहे हैं कि 27 नवंबर को अडानी समूह ने फ्लाइट सिमुलेशन टेक्नीक सेंटर यानी एफएसटीसी का अधिग्रहण किया है। यह देश की सबसे बड़ा पायलट ट्रेनिंग संस्था है। अडानी समूह ने 820 करोड़ रुपए में इस कंपनी में 72 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। इस सौदे को इंडिगो संकट से जोड़ा जा रहा है। यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि अब देश में जल्दी ही 20 हजार से ज्यादा पायलटों की जरुरत होने वाली है और उसकी आपूर्ति अडानी के मालिकाना वाले एफएसटीसी से होगी।

सवाल है कि क्या 20 हजार पायलट की जरुरत होगी और अडानी ने पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का अधिग्रहण किया है इसलिए इंडिगो का इतना बड़ा संकट खड़ा कराया गया है ताकि पायलट की कमी पर फोकस बने और अडानी को पचास, सौ करोड़ रुपए की कमाई हो जाए? यह बहुत बेकार का तर्क है। इंडिगो संकट की वैचारिक खांचे से व्याख्या करने वाले इस समूह का दूसरा निष्कर्ष यह है कि इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब ने 36 करोड़ रुपए के और उसके प्रमोटर राहुल भाटिया ने 20 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदे, जिनमें से ज्यादातर बॉन्ड भाजपा को दिए गए। तो क्या इस रुपए के बदले में भाजपा की केंद्र सरकार ने इंडिगो को इतना बड़ा संकट खड़ा करने की इजाजत दी? यह निष्कर्ष पूरी तरह से गलत नहीं है तब भी अधूरा है। हो सकता है कि चंदे के लिहाज में सख्त कार्रवाई नहीं हुई हो लेकिन संकट इस वजह से खड़ा नहीं हुआ।

असल में इंडिगो का संकट नागरिक विमानन मंत्रालय व नागरिक विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए और व्यापक रूप से केंद्र सरकार के निकम्मेपन और एकाधिकारवादी निजी कंपनी इंडिगो की मनमानी का नतीजा है। अगर मौजूदा संकट की बात करें तो सरकार का निकम्मापन यह है कि उसने मार्च 2024 में एक नियम बनाया और उसे लागू करने के लिए एक जुलाई 2025 और एक दिसंबर 2025 की डेडलाइन तय की और इतना समय देने के बाद भी इसे ठीक तरीके से लागू नहीं करा पाई। सवाल है कि क्या डीजीसीए को पता नहीं है कि देश के विमानन सेक्टर में करीब 65 फीसदी का हिस्सा रखने वाली और हर दिन 23 सौ उड़ानें संचालित करने वाली इंडिगो के

पास पर्याप्त संख्या में पायलट नहीं हैं? निश्चित रूप से डीजीसीए को इसकी पूरी जानकारी थी क्योंकि उसके पास इस बात का पूरा आंकड़ा है कि देश में पायलट ट्रेनिंग के कितने इंस्टीट्यूट्स को मान्यता दी गई है, उनमें से प्रशिक्षित होकर कितने पायलट्स निकल रहे हैं और कितने लोगों को इंडिगो में नौकरी मिल रही है।

उसे यह भी पता है इंडिगो के पास कितने जहाज हैं, कितनी उड़ानें हैं और कितने पायलट्स हैं। फिर भी उसने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस यानी एफडीटीएल नियम लागू किया तो इसका रत्ती भर प्रयास नहीं किया कि सबसे बड़ी विमानन कंपनी इसे लागू करने की तैयारी शुरू करे। इसी साल अक्टूबर में डीजीसीए ने पर्याप्त पायलट ट्रेनिंग नहीं होने के लिए इंडिगो के ऊपर जुर्माना लगाया था। जाहिर है उसको पता है कि एफडीटीएल नियम को लागू करने के लिए इंडिगो ने कोई तैयारी नहीं की है। फिर भी उसने इंडिगो को तैयारी के लिए बाध्य नहीं किया और न समय रहते समय सीमा बढ़ाने का फैसला किया।

यही पर इंडिगो की मनमानी की बात आती है। डीजीसीए ने तमाम संबंधित पक्षों यानी विमानन कंपनियों से सलाह मशविरा करके एफडीटीएल नियम तैयार किया और लागू करने की तारीख तय की। बाकी कंपनियां, जिनके पास कम जहाज हैं उन्होंने पर्याप्त संख्या में पायलट नियुक्त किए। तभी एक दिसंबर को एफडीटीएल नियम लागू होने का असर उनकी सेवाओं पर नहीं पड़ा। आखिर एयर इंडिया की भी हर दिन एक हजार से ज्यादा उड़ानें होती हैं। लेकिन वहां पायलट और चालक दल की कमी से उड़ानें रद्द नहीं हुईं। जाहिर है इंडिगो ने सबसे बड़ी कंपनी होने और भारत के आकाश पर एकाधिकार होने के अहंकार में न तो पायलट भर्ती की और न चालक दल के अन्य सदस्यों की पर्याप्त संख्या में नियुक्ति की।

उसको विश्वास था कि वह बांह मरोड़ कर सरकार से मनमाफिक फैसला करा लेगी। उसने वही किया। उसने नए नियम लागू करने की बजाय उड़ानें रद्द करनी शुरू कर दी। उसने पांच दिसंबर को डेढ़ हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द की थीं, जिसके बाद सरकार पीछे हटी। उसको पता था कि यात्री परेशान होंगे तो सरकार पीछे हटेगी। सो, उसने लाखों यात्रियों को जान बूझकर परेशान किया और सरकार को झुकाया।

यह बहुत खतरनाक प्रवृत्ति का इशारा है और सिर्फ एक सेक्टर का संकट नहीं है। जिस तरह समय के साथ विमानन सेक्टर में एक कंपनी का एकाधिकार बना है वैसे ही ऊर्जा से लेकर संचार और सीमेंट, हवाईअड्डा व बंदरगाहों से लेकर खाने पीने की चीजों तक चुनिंदा कंपनियों का एकाधिकार बना है। एकाधिकारवादी अर्थव्यवस्था बनाने में सीधे तौर पर सरकार का हाथ है तो उन एजेंसियों का भी हाथ है, जिनकी जिम्मेदारी इन बातों पर निगरानी करने की है। सोचें, भारत में एक प्रतिस्पर्धा आयोग भी है, लेकिन हर जगह प्रतिस्पर्धा समाप्त होती जा रही है या की जा रही है और यह आयोग कुछ नहीं करता है। इसके बरक्स अमेरिका के एंटी ट्रस्ट कानून और उसे लागू कराने वाली एजेंसी को देखें तो फर्क साफ नजर आएगा। वहां नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स को खरीदा है तो एंटी ट्रस्ट कानून के तहत उसकी समीक्षा हो रही है। लेकिन भारत में ऐसी कोई पहल नहीं होती है।

अगर सिर्फ विमानन सेक्टर को देखें तो 2012 में किंगफिशर एयरलाइंस बंद हो गई। उसके बाद 2018 में जेट एयरवेज दिवालिया हो गई और पांच साल बाद 2023 में गो एयर बंद हो गई। और इसी बीच भारत सरकार ने अपनी कंपनी औने पौने दाम में टाटा समूह को बेच दी। उससे पहले सहारा एयरलाइंस, डेक्कन और एमडीएलआर जैसी कई विमानन कंपनियां बंद हुई थीं। एक तरफ विमानन कंपनियां धड़ाधड़ बंद हो रही थीं और दूसरी ओर सरकार उड़ान योजना के तहत छोटे शहरों में हवाईअड्डे बनाने या बड़े हवाईअड्डों के निर्माण और कनेक्टिविटी की घोषणा करने में लगी थी। आखिर सरकार ने सोचा क्यों नहीं कि 10 साल बाद विमानन का परिदृश्य कैसा होगा? कितने विमानों, कितने पायलटों, चालक दल के सदस्यों, हवाईअड्डों आदि की जरुरत होगी? विमानन मंत्रालय और डीजीसीए ने इस बारे विचार ही नहीं किया।

अगर विचार किया होता तो जेट एयरवेज को रिवाइव करने की कोशिशों को कामयाब बनाया जाता। गो एयर के विमान अलग अलग हवाईअड्डों पर खड़े हैं उनको चालू कराने की कोशिश की गई होती। आखिरी सरकार आइडिया और वोडाफोन के कर्ज को इक्विटी में बदल कर उसे बार बार राहत दे रही है। क्या वैसी राहत विमानन सेक्टर की कंपनियों को नहीं दी जा सकती है? यह सही है कि इंडिगो का एकाधिकार सरकार ने नहीं बनवाया है। उसने बेहतर प्रबंधन से एकाधिकार बनाया लेकिन किराए से लेकर सेवा की खराब गुणवत्ता तक में सरकार और डीजीसीए ने उसकी मनमानियों की अनदेखी की है, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हुई।

एआई के साथ इंसानी हकों को नयी दिशा

योगेश कुमार गोयल

एआई तकनीक जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला रही है। वहीं मानवाधिकारों की भी नई परिभाषा गढ़ रही है। यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है।

दस दिसंबर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र ने 'मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा' को अपनाया, जो यह सिद्धांत प्रस्तुत करती है कि मनुष्य केवल शारीरिक प्राणी नहीं, बल्कि विवेक, गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से युक्त चेतन अस्तित्व है। इस घोषणा ने मानवता को उसके बुनियादी अधिकारों का अहसास दिलाया और साथ ही यह विश्वास जगाया कि मानव गरिमा सर्वोपरि है। इसने वैश्विक व्यवस्था को नैतिक दिशा दी और सभ्यता को मानवीय आधार प्रदान किया।

आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के द्वार पर खड़ी है। यदि औद्योगिक क्रांति ने काम, उत्पादन और शक्ति-संतुलन को बदला था तो एआई उस परिवर्तन से भी आगे बढ़कर मानव मस्तिष्क के साथ मशीन की क्षमता का संगम प्रस्तुत कर रही है। यह युग केवल

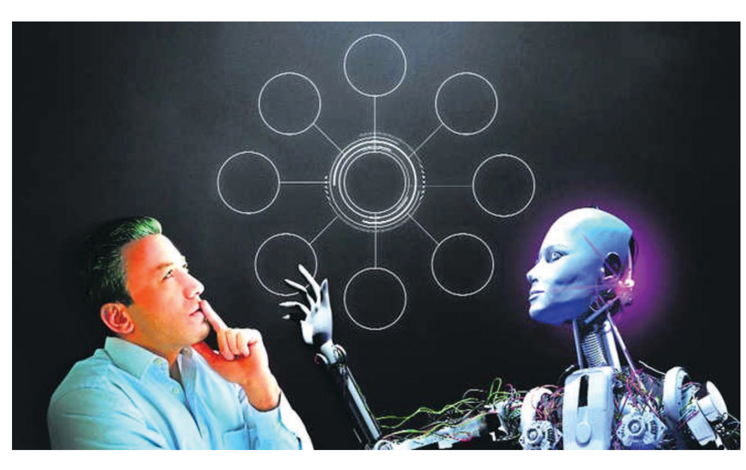

स्वचालन या कंप्यूटेशन का दौर नहीं है, यह मानव सभ्यता के लिए अपनी नियति के पुनर्लेखन का अवसर है। तकनीक अब केवल उपकरण नहीं रही, वह विचार, निर्णय, ज्ञान और शासन के केंद्र में प्रवेश कर चुकी है। मानवाधिकारों के संदर्भ में एआई के आगमन ने एक महत्वपूर्ण विमर्श को जन्म दिया है। अब मानवाधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों, घोषणाओं, आंदोलनों और संविधानों की जिम्मेदारी नहीं रह गई, बल्कि यह डिजिटल व्यवहार, एल्गोरिद्मिक निर्णय और डेटा-चालित नीतियों की वास्तविक परीक्षा बन चुकी है। आश्चर्यजनक किंतु प्रेरक तथ्य यह है कि यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है। न्याय व्यवस्था में इसका उपयोग केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि मानव गरिमा की सुरक्षा का नया आयाम है।

स्वास्थ्य जगत में एआई का योगदान मानवाधिकारों की प्रकृति को बदलने की क्षमता रखता है। दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता, रोगों की शीघ्र पहचान, व्यक्तिगत उपचार पद्धति और आपात स्थितियों में तेज निर्णय, ये सब केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति हैं। जब मशीनें रोग के पैटर्न पहचानकर डॉक्टरों को निर्णय लेने में सहायता करती हैं, तब मानव जीवन अधिक सुरक्षित, अधिक संरक्षित और अधिक सम्माननीय बनता है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ रही है। शिक्षा अब एक-सा मॉडल नहीं रही, वह व्यक्तिगत बन रही है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार ज्ञान-संरचना बन रही है। यह समानता का वह रूप है, जिसकी कल्पना समाज सुधारकों ने सदियों पहले की थी— ऐसी शिक्षा, जिसमें कोई पीछे न रह जाए।

मनुष्य अब केवल सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, उसकी एक डिजिटल पहचान भी है। यह पहचान, यह डेटा अब उसकी प्रतिष्ठा, निजता और स्वतंत्रता का हिस्सा है। इसे सुरक्षित रखना, इसका दुरुपयोग रोकना और डेटा पर नियंत्रण का अधिकार देना अब आधुनिक मानवाधिकारों का अनिवार्य तत्व है। यदि डिजिटल गरिमा सुरक्षित नहीं, तो संपूर्ण मानवीय गरिमा अधूरी है। एआई की शक्ति का दूसरा आयाम इसकी सीखने और निर्णय लेने की क्षमता है, परंतु निर्णय वहीं तक उचित हैं, जहां तक वे मानवीय मूल्यों से नियंत्रित रहें। इसलिए विश्वभर में 'नैतिक एआई' की अवधारणा उभर रही है।

यह परिवर्तन इसलिए महत्वपूर्ण है कि तकनीक अब केवल कार्य-निष्पादन नहीं करती, वह निर्णय निर्मित करती है और निर्णय वे धुरी हैं, जिन पर मानवाधिकार टिका होता है। 'ह्यूमन इन द लूप' सिद्धांत इसी सच्चाई का प्रतिफल है, जहां अंतिम निर्णय मनुष्य लेगा, मशीन नहीं, क्योंकि बुद्धि मशीन में हो सकती है, पर विवेक केवल मनुष्य में है। आर्थिक अवसरों की दृष्टि से भी एआई ने मानवीय अधिकारों का आयाम विस्तृत किया है। यह सत्य है कि तकनीक कुछ पारंपरिक रोजगारों को अप्रासंगिक बना रही है, पर यह आधा सत्य है। एआई नए कौशल, नए रोजगार, नए व्यवसाय और नए बाजारों को भी जन्म दे रही है। मनुष्य अब ऐसे कार्य कर पा रहा है, जो रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और नवाचार पर आधारित हैं—ऐसे कार्य, जिनमें मशीनें कभी पूर्ण प्रतिस्थापन नहीं कर पाएंगी। कौशल-विकास अब केवल आर्थिक विकल्प नहीं, बल्कि मानवाधिकार की तरह आवश्यक हो गया है। जब व्यक्ति तकनीक के साथ कदम मिलाकर चल सकेगा।

मैकाले की विरासत का अभिनंदन

हरिशंकर व्यास

मैकाले को बेचारा माने या महान? इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने कोसा है। कहा है कि मैकाले भारतीयों की 'गुलामी की मानसिकता' का ज़िम्मेदार है। पर फिर अगले दिन उन्होंने मैकाले की विरासत का अभिनंदन किया। मत्था टेका। पेचीदा मसला है। सोचें, भारत की आज बनावट और बुनावट क्या है? नरेंद्र मोदी यदि बतौर प्रधानमंत्री सत्ता भोग रहे हैं, तो किसके कारण? इसके लिए वे संविधान को पूजते हैं। और इस संविधान की बनावट-बुनावट क्या है? मोटामोटी अंग्रेज़ मैकाले का सपना। मैकाले, बर्क, जेम्स मिल, लॉर्ड कर्ज़न यानी मालिक अंग्रेज़ों के क़ानूनों, इस्पाती खांचे-ढांचे की शासन-पद्धति का एक कलमबद्ध ग्रंथ!

पर क्या इस सत्य का भान हम भारतीयों को है? लगभग नहीं। यही मैकाले-अंग्रेज़ों की महान उपलब्धि है। वे एक ऐसी क़ौम, एक ऐसा देश रच गए जिन्हें इतना भी अहसास नहीं कि स्वतंत्र भारत की बनावट का आधार ही गुलामी की अंग्रेज़ व्यवस्था है।

यही मैकाले, लॉर्ड कर्ज़न या ब्रिटिश संसद से ठप्पा लगे हुए भारत सरकार अधिनियम 1935 को लागू करवाने वाले गवर्नर-जनरल लॉर्ड विलिंग्डन की महानता का प्रमाण है। ये भारतीयों को इतना अज्ञान में डुबो गए कि उन्हीं की विरासत वाला शासन और उसका संविधान आज भी यथावत है पर उसे प्रधानमंत्री मोदी पूजते हैं और अपने को विश्वगुरु भी कहते हैं!

मैकाले की शिक्षा नीति से निश्चित ही एक सीमा तक (आखिर उससे पहले भी सदियों से गुलाम थे) भारतीयों में गुलामी की मानसिकता बनी। पर उसका आज़ादी के बाद और पुख्ता होना तो स्वतंत्र भारत के शासन-सत्ता तंत्र से ही है। इस तंत्र के राजाधिराज पिछले ग्यारह वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी स्वयं हैं। और वे संविधान की महिमा का बखान करते हुए नागरिकों से क्या आह्वान करते हैं? यह कि संविधान में बताए कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से निभाना चाहिए। और क्या हैं ये कर्तव्य? मतलब—सरकार को माईबाप मानो। सत्ता की शान में कोई गुस्ताख़ी नहीं। पता है, नागरिकों को कर्तव्यों में बाँधने और सरकार को मनमानी करने की सुविधा देने वाला संविधान प्रावधान कब बना था? जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया हुआ था। कर्तव्य की बात 1950 के मूल संविधान में नहीं थी। इन्हें सोवियत संविधान से प्रेरित होकर इंदिरा गांधी ने आपातकाल के समय मौलिक कर्तव्य के नाम से 42वें संशोधन (1976) में संविधान में डलवाया था।

पर इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी का फर्क है। उन्होंने या उनके आगे-पीछे के किसी प्रधानमंत्री ने सत्तावान बनने के बाद संविधान की वह पूजा-अर्चना नहीं की, जैसी नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लगातार करते हैं। जबकि हिसाब से संघ परिवार और भारतीय संस्कृति के विचारकों ने संविधान को लेकर संविधान सभा की बहस में यह कहा हुआ है कि यह मानो अंग्रेज़ शासन की रचना है। संविधान सभा में डॉ. रघुवीर से लेकर के.एम. मुंशी, के.टी. शाह, एच.वी. कामथ, संपूर्णानंद, रविशंकर शुक्ला आदि कई कांग्रेसी, वामपंथी, राष्ट्रवादी नेताओं ने संविधान के भारतीयकरण यानी देशज बनाने के ढेरों तर्क दिए और भाषण किए।

डॉ. रघुवीर ने भारत की सभ्यतागत राष्ट्र (हिंदू राष्ट्र नहीं) की रचना के लिए सांस्कृतिक तत्वों—ऋत, सत्य, धर्म-जन्य कर्तव्य, राष्ट्रीय भाषा—जैसे सूत्रों को संविधान में समाहित करने की आवश्यकता बताई। उनका आग्रह था कि भारत का संविधान केवल क़ानून का दस्तावेज़ न हो बल्कि यह भारतीय सभ्यता का भाव-दस्तावेज़ भी हो। पर उन्हें नहीं सुना गया। तभी उन्होंने अंत में कहा—यह संविधान भारतीय नहीं लगता; यह भारत की धरती में उगा हुआ वटवृक्ष नहीं, बल्कि विदेशी पौधा है।

डॉ. रघुवीर से भी अधिक मुखर के.एम. मुंशी, एच.वी. कामथ, के.टी. शाह थे। के.टी. शाह विचारों में वामपंथी थे, लेकिन उनका भारतीय संस्कृति की विशिष्टता के आग्रह के साथ तर्क था कि संविधान में यह चिन्हित होना चाहिए कि भारतीय राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत क्या है। इसी तरह नंदलाल बसु, रविशंकर शुक्ला, संपूर्णानंद, लक्ष्मीकांत माने, अनंतराय चौधरी आदि ने देशज शिक्षा, भाषा, नैतिक मूल्यों के सूत्र संविधान में डालने की माँग की। लेकिन मैकाले का स्टील फ्रेमवर्क, आई.सी.एस. नौकरशाही, प्रभुवर्ग और पंडित नेहरू ने किसी की नहीं सुनी। मानने वाले मानते हैं कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान लिखा। असलियत में अंग्रेज़ संविधान का खाका बना गए थे। सो मैकाले की संतानों ने जैसा चाहा वैसा ही औपनिवेशिक ढांचे को लगभग अपनाते हुए संविधान रचा। उसे लिखना भी क्या था—गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट 1935 की सरचनात्मक निरंतरता पर ठप्पा था। इस वास्तविकता का डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा में मज़ाक-आलोचना के अंदाज़ में भी आभास कराया। उन्होंने कहा था कि संविधान में गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट 1935 के तीन-चौथाई हिस्से उठा लिए गए हैं—तो आयरिश संविधान से भी हिस्से लिए गए! ऐसा क्यों हुआ? इसलिए क्योंकि नेहरू और उनकी ओर से संविधान मसौदा प्रारूप बनाने वाले आई.सी.एस. अफ़सर बी.एन. राउ—मैकाले की शिक्षा से पोषित स्टील-फ्रेम की अफ़सर जमात—पूरी तरह लॉर्ड कर्ज़न के फ़लसफ़े की मुरीद थी। और लॉर्ड कर्ज़न का क्या सूत्र था? लॉर्ड कर्ज़न ने बंगाल के टुकड़े करने के अलावा प्रशासन को यह सूत्र भी दिया था कि- भारत को केन्द्र से ही चलाया जाना चाहिए, एक मज़बूत हाथ से, और प्रशासनिक एकता की पूर्ण पकड़ के साथ। इसी सूत्र से गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट 1935 का वह फ्रेमवर्क बना था जिसे संविधान सभा ने अपनाया। ऐसा नेहरू के ठप्पे याकि 'आईडिया ऑफ़ इंडिया' के इलाहामों से भी था। उनके सपनों को शक्ल1909 में आई.सी.एस. बने कोंकणी ब्राह्मण बेनेगल नरसिंह राउ ने दी। जबकि वे संविधान सभा के सदस्य नहीं थे, मगर नेहरू के पसंदीदा थे। ध्यान रहे कि राउ गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट 1935 की ड्राफ्टिंग के समय में भी सैमुअल होरे के सहायक अफ़सर थे।

किराएदार के अधिकारों का संरक्षण

यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो।

भारत सरकार का कहना है कि मकान किराया संबंधी नए नियमों में उसने मकान मालिक और किरायेदार दोनों के हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। इसके तहत पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। चूंकि अब मकान किराए पर देने से संबंधित दस्तावेज का 60 दिन के अंदर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा, इसलिए समझा जा सकता है कि नए नियमों का मकसद टैक्स वसूली को सुनिश्चित करना भी है। बहरहाल, यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो। तो प्रावधान किया गया है कि मकान मालिक मनमाने तरीके से किराया नहीं बढ़ा पाएंगे, सुरक्षा जमा (डिपॉज़िट) की सीमा तय कर दी गई है और किराया वृद्धि को भी नियमित किया गया है। आवासीय मकसद के लिए किराए पर लगाए गए मकान के मालिक अब दो महीने से अधिक का डिपॉज़िट नहीं ले सकेंगे। खासकर बड़े शहरों में चलन छह महीने या सालभर का एडवांस किराया लेने का रहा है। साथ ही मकान मालिक अब अचानक किराया नहीं बढ़ा पाएंगे। इसके लिए उन्हें पहले से नोटिस देना होगा। इसी तरह मकान मालिक अब किसी किरायेदार को अचानक घर खाली करने के लिए मजबूर नहीं कर सकेंगे। इसके लिए निश्चित नोटिस पीरियड और कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। किराएदार किसी मरम्मत के लिए शिकायत करता है, तो मकान मालिक को ऐसा 30 दिन के अंदर कराना होगा। वरना, किराएदार को अधिकार होगा कि वह खुद मरम्मत करवा कर आए खर्च को किराए में एडजस्ट कर ले। उधर चूंकि किराएदारी के हर समझौते का डिजिटल स्टांप करवा कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा, तो उससे मकान मालिकों को सुरक्षा मिलेगी। यह भी तय किया गया है कि संबंधित ट्रिब्यूनल को सभी विवादों का निपटारा 60 दिन के अंदर करना होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

विशेष बच्चों के स्वास्थ्य शिविर में अल मदद की सहभागिता

भिलाई। अल–मदद फाउंडेशन और वेलफेयर सोसायटी की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस पर विशेष बच्चों के लिए संचालित प्रयास स्कूल सुपेला में स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता दी गई। जिसमें स्कूल के सभी बच्चों का शंकराचार्य मेडिकल कालेज से आए विशेषज्ञों द्वारा ब्लड टेस्ट, एचबी टेस्ट एवं रूटीन चेकअप किया गया। शिविर में समाज कल्याण विभाग दुर्ग जिला की ओर से बच्चों को व्हील चेयर, बैसाखी और कान की मशीन उपलब्ध कराई गई, वहीं सभी बच्चों को अल मदद सोसाइटी की ओर से नाश्ता वितरित किया गया। सोसायटी की अध्यक्ष अंजुम अली ने कहा कि इन विशेष बच्चों के लिए हम जितना भी करें वह कम है। इसलिए समाज के सभी वर्ग को इन बच्चों के लिए आगे आना चाहिए। शिविर में पैथोलॉजिस्ट कौसर खान, डॉ. संजय गुप्ता और डॉ. अमरीन कुरैशी ने विशेष योगदान दिया। वहीं तलत खान सहयोगी रही।

निगम की आय बढ़ाने के लिए काउंटर शुल्क में बढ़ोतरी

भिलाई। नगर निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक में निगम की वित्तीय आय बढ़ाने के लिए आवेदन शुल्क में वृद्धि के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव में संकल्प पारित किया गया है। उसके आधार पर काउंटर आवेदन फार्म में शुल्क में संशोधन किए गए हैं। जैसे भवन अनुज्ञा पक्का निर्माण फार्म 20 रुपए, भवन अनुज्ञा कच्चा निर्माण फार्म 10 रुपए, बिजली एनओसी फार्म 10 रुपए, स्वनिर्धारण संपत्तिकर विवरणी फार्म 10 रुपए, ठेकेदारी पंजीयन फार्म 10 रुपए, नामांतरण फार्म (निगम संपत्ति) 50 रुपए, लायसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन 10 रुपए, जन्म–मृत्यु के एक माह से अधिक किन्तु एक वर्ष के भीतर शपथ पत्र और विलंब शुल्क 10 रुपए, एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर कार्यपालन मजिस्ट्रेट की अनुमति एवं विलंब शुल्क 10 रुपए किया गया है।

डीटीपी ऑपरेटर, ग्राफिक्स डिजाइनर हेतु आवेदन 29 तक

भिलाई। मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग में समूह–3 डीटीपी ऑपरेटर, ग्राफिक्स आर्ट डिजाइनर के रिक्त पदों के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने आवेदन मंगाया है। फिलहाल व्यापमं ने परीक्षा की संभावित तिथि 1 मार्च 2026 तय की है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभ्यर्थी व्यापमं के पोर्टल से इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। 29 दिसंबर शाम 5 बजे तक अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। 30 दिसंबर से 1 जनवरी 2026 तक त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।

मौसम विभाग ने तीन दिन शीतलहर की चेतावनी दी

भिलाई। मंगलवार को दुर्ग में न्यूनतम तापमान पहली बार 8.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4.8 डिग्री कम है। सर्वाधिक तापमान भी दुर्ग में 30.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अगले तीन दिनों, 10 से 12 दिसंबर के बीच, दुर्ग के साथ सरगुजा, बिलासपुर और रायपुर संभाग के कई हिस्सों में शीतलहर की संभावना है।

सात अस्पतालों की आयुष्मान मान्यता सस्पेंड, इलाज के लिए मरीजों को भटकना होगा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आयुष्मान पात्रता संचालनालय ने सोमवार को दुर्ग–भिलाई के सात अस्पतालों को तीन महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही आयुष्मान की मान्यता वाले 51 निजी अस्पतालों की संख्या घटकर 44 हो गई है। दो बड़े मल्टी स्पेशालिटी अस्पतालों में पहले ही यह सुविधा बंद की जा चुकी है।

राज्य शासन के आदेश पर हुई जांच में इनमें से एक अस्पताल द्वारा इलाज के लिए मरीज के अटेंडेंट से आयुष्मान के अतिरिक्त पैसे मांगने के शिकायत की पुष्टि हुई। शेष में आयुष्मान के मानक अनुरूप इलाज करने का इंतजाम नहीं पाया गया। किसी अस्पताल में ड्यूटी योग्य स्टॉफ नहीं मिला, तो कहीं जांच टीम को ऑन ड्यूटी डॉक्टर उपस्थित नहीं मिले।

जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के राज्य नोडल ने दुर्ग के सभी सातों निजी अस्पतालों की आयुष्मान पात्रता तीन महीने के लिए सस्पेंड कर दी। यह आदेश सोमवार शाम को मेल द्वारा संबंधित अस्पतालों व सीएमएचओ कार्यालय में भेज दी गई है। कार्रवाई की जद में आने वाले इन सातों अस्पतालों में 6 ट्विनसिटी के और एक ग्रामीण क्षेत्र का अस्पताल है। बता दें कि जिले के अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट के मानकों की जांच में अभी कार्रवाई बची है। जांच भी पूरी हो गई है, जिसके अनुसार जिन अस्पतालों में खामी मिली, उन्हें जल्द ही नोटिस थमाने की तैयारी है।

जिन अस्पतालों में आयुष्मान सेवा निलंबित हुई है उनमें सुराज हास्पिटल नेहरू नगर, ओम हास्पिटल मालवीय नगर, गंगोत्री हास्पिटल आर्य नगर, नव जीवन हास्पिटल चिखल, आईएमआई हास्पिटल खुर्सीपार, साईं कृपा मल्टीस्पेशिलिटी हास्पिटल सुपेला और महादेव हास्पिटल फुंडा, दुर्ग शामिल हैं।

भारत- दक्षिण अफ्रीका वन-डे में सट्टा खिलाने वाले 2 गिरफ्तार

पवन ने ऑन लाइन क्रिकेट सट्टा के लिए बनाई थी आईडी, मामला खुलने के बाद हो गया था फरार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग–भिलाई। रायपुर में हुए भारत और दक्षिण अफ्रीका के मैच में ऑनलाइन सट्टा लगाने के मामले में दुर्ग पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इस प्रकरण में कई दिनों से फरार चल रहा था।

पुलगांव थाना क्षेत्र में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के प्रकरण में पुलिस ने पवन तम्बूले (26) को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस केस में मुख्य आरोपी टीकम बंजारे को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

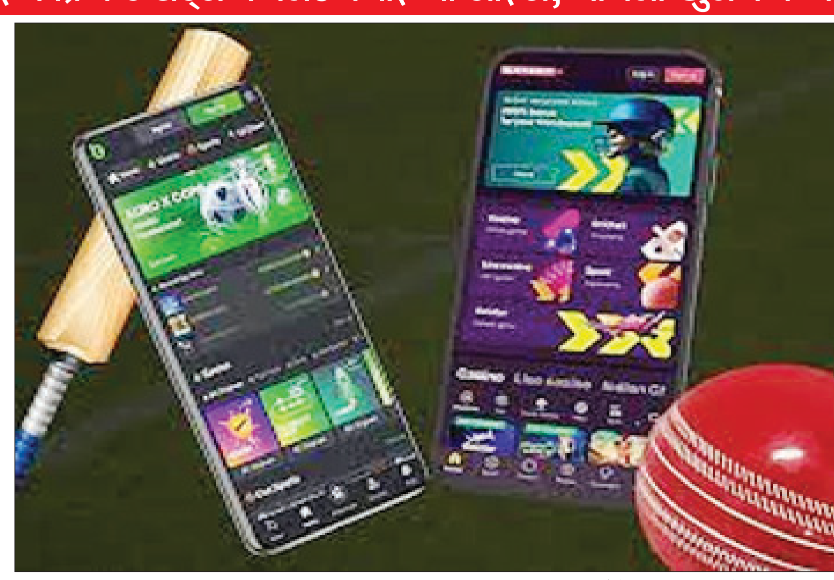

दोनों ही आरोपियों से अब तक पुलिस ने चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इस मोबाइल का उपयोग आरोपी ऑनलाइन सट्टा संचालन में कर रहे थे। मामला 3 दिसंबर 2025 का है।

रायपुर में चल रहे भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वन–डे मैच में पुलगांव चौक के पास रहने वाला टीकम बंजारे अपने मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहा था। पुलगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर टीकम (28) को गिरफ्तार किया था।

टीकम के मोबाइल की जांच में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के स्पष्ट साक्ष्य मिले। पूछताछ में टीकम ने स्वीकार किया कि वह भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका मैच में ऑनलाइन सट्टा खेल रहा था।

उसने यह भी बताया कि उसके दोस्त पवन तम्बूले ने उसे आईपी और पासवर्ड बनाकर दिया था, जिसके जरिए वह सट्टा लगा रहा था। पुलिस ने मौके से टीकम के कब्जे से दो मोबाइल फोन जप्त किए और उसे गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया।

घटना के बाद से पवन तम्बूले फरार था। पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी और अंततः उसे शंकर नगर मुक्तिधाम के पास से गिरफ्तार कर लिया। पवन के पास से भी दो मोबाइल जब्त किए गए। पूछताछ में पवन ने स्वीकार किया कि उसने ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए टीकम को आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया था। पुलिस ने पवन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

धमधा पुलिस ने भी पकड़े थे आठ सटोरी

भारत–दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खेलते धमधा पुलिस ने आठ आरोपियों को पकड़ा। सूचना मिली थी कि बाजारपारा मंगल भवन के पास शशांक शर्मा अपने मोबाइल फोन से सट्टा–पट्टी लिख रहा है। सूचना पर धमधा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपीगण शशांक शर्मा, तुकाराम शर्मा, राकेश सिन्हा, धर्मराज वर्मा, देवचरण साहू, संजय कहार, थान सिंह यादव, शेखर साहू का मोबाइल फोन चेक किया गया।

बीएसपी मेन हॉस्पिटल में पैंक्रियाज की जटिल सर्जरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में 'स्यूचर्ड लेप्रोस्कोपिक सिस्टोगैस्ट्रोस्टॉमी' की सर्जरी सफलता पूर्वक की गई है।

इस जटिल ऑपरेशन का नेतृत्व डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं यूनिट इंचार्ज (सर्जरी) डॉ. मनीष देवांगन ने किया। 32 वर्षीय ओडिशा के सीआईएसएफ जवान को छह माह से चली आ रही पैनक्रियाटाइटिस की पीड़ा लगातार पेट दर्द, भारीपन और जल्दी पेट भरने की शिकायतों का कारण 'स्यूडोसिस्ट पैन्क्रियाज' निकला।

यह पेट के पिछले हिस्से में बना द्रव–भरा थैला न केवल असहनीय असुविधा उत्पन्न करता है बल्कि जटिलताओं का भी बड़ा कारण होता है। साधारणतः इस स्थिति में ओपन सर्जरी की आवश्यकता पड़ती थी, जिसमें एक बड़ा चीरा, अत्यधिक दर्द और लंबी रिकवरी शामिल होते हैं। ऐसे में लेप्रोस्कोपिक मार्ग चुनना केवल एक तकनीकी निर्णय नहीं, बल्कि जेएलएनएच एंड आरसी की उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट पुनर्पुष्टि था।

ऑपरेशन पूरी तरह समन्वित टीमवर्क से संभव हुआ जिसमें, डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं यूनिट इंचार्ज (सर्जरी) डॉ. मनीष देवांगन; चीफ कंसल्टेंट, डॉ. धीरज शर्मा; डॉ. सौरभ धिवार; डीएनबी रेजिडेंट डॉ. मशूद बी. ; तथा नर्सिंग स्टाफ भगवती विश्वकर्मा और एमटीए लोकेंद्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. तनुजा आनंद, और कंसल्टेंट, डॉ. निलेश चंद्र ने किया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही।

स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती पर 'मानव मार्केट' का ट्रेलर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ में निर्मित हिंदी फीचर–फिल्म 'मानव मार्केट' स्वास्थ्य सेवाओं के बढ़ते व्यवसायीकरण के विरुद्ध आवाज उठाती है। शहर के प्रसिद्ध अभिनेता व निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी तथा निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल, निम्मी रोशन सवाने और गुलाम हेदर मंसूरी की इस फिल्म का ट्रेलर एन. माही फिल्म्स के यू–ट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है।

फिल्म आगामी सप्ताह में 19 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। मुख्य धारा के सिनेमा में समाज को झकझोरने वाले इस विषय पर अपनी तरह की एक अलग फिल्म का ट्रेलर दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म में बहुत ही गहराई और संवेदनशीलता के साथ जनता के साथ स्वास्थ्य सेवा में होने वाली अव्यवस्था को दिखाया गया है।

हैदर इस फिल्म के निर्माताओं की तारीफ करते हुए कहते हैं कि नागपुर निवासी निर्माता निम्मी रोशन सवाने की जब भी जरूरत पड़ती है वो और उनके पति रोशन सवाने अपना सब कामकाज रोक कर यहां उपस्थित हो जाते हैं। साथ ही भिलाई के निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल और सिनेमा रिलीजिंग पार्टनर मेघा अग्रवाल के बारे में बताते हैं कि इन्होंने पूरी टीम का उत्साह बनाए रखा।

फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा रहे अभिनेता ओम त्रिपाठी फिल्म की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ओम त्रिपाठी कहते हैं फिल्म में कई संवाद ऐसे हैं जो वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर देखी जा रही अव्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करते हैं। जैसे – ये देश जहां क्रिकेट टीम की बोली कई अरबों में लगाई जाती है, वहीं हर साल भूखमरी से कई बच्चे मारे जाते हैं। फिल्म में ऐसे कई संवाद हैं जो ऐसे सवाल खड़े कर रहे हैं जिसका सामना कर पाना स्वास्थ्य सेवा जैसे पवित्र पेशे को मुनाफाखोरी का धंधा बना देने वालों के बस की बात नही। फिल्म में प्रमुख किरदार निभा रही नेहा शुक्ला का कहना है कि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है।

प्रगति भवन में तराना म्यूजिकल ग्रुप ने दी प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सिविक सेंटर स्थित ओए बिल्डिंग के प्रगति भवन में 7 दिसंबर को तराना म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आर.डी. बर्मन के लोकप्रिय गीतों पर आधारित भव्य लाइव म्यूजिकल शो का आयोजन किया गया। खचाखच भरे हॉल में हुए इस कार्यक्रम में सभी गायकों ने अपनी सुमधुर आवाज और बेहतरीन प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर उपस्थित रहे। साथ ही प्रनोती गजभिये, जो महिला उद्यमी एवं समाजसेविका हैं, और सुनीता मलिक, जो शिक्षिका, गायिका और योग प्रशिक्षक हैं, विशेष रूप से मौजूद रहीं।

अपनी प्रस्तुति देने वाले प्रमुख कलाकारों में रेखा ब्राम्हणे, गीता सोनी, शोभा बोरीकर, सरिता सिंह, नमिता वर्मा, सीमा साहू, अल्का शर्मा, अपूर्वा चौधरी, आई.डी. चंद्राकर, गिरीश चतुर्वेदी, आवेश सहारे, डॉ. सिद्धार्थ पिम्पलकर, तापस चक्रवर्ती, संदीप वाघमारे, अनिता जामुलकर, आशा वरवड़े, भूपेंद्र हरमुख, मंजीता भारद्वाज तथा प्रनोती गजभिये शामिल रहे।

सभी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत पेश कर उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरा माहौल संगीत और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम को दर्शकों ने बेहद सराहा।

उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सर्व धर्म सेवा संस्था द्वारा अन्न बचाओ योजना के तहत 'उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाये नाली में' अभियान चलाया जा रहा है। 31 अक्टूबर 2025 से जारी इस अभियान को संस्था के संरक्षक व मार्गदर्शक वीरेन्द्र सतपथी महिला काउंसलर वरिष्ठ अधिवक्ता शहाना कुरैशी के मार्गदर्शन में शुभारंभ किया गया है।

संस्था के अध्यक्ष सुरेश खांडवे की अगुवाई में यह जन–जागरण अभियान पूरे समाज को यह संदेश दे रहा है कि थाली में उतना ही लें जितना खा सके, ताकि कीमती अन्न नाली में न जाकर जरूरतमंदों तक पहुँचे।

अभियान के तहत संस्था के पदाधिकारी व स्वयंसेवक शादी–समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों, सामुदायिक सभाओं और भोज आयोजनों में पहुँचकर पोस्टर लगाते हैं,

कैटरर्स व आयोजकों से सहयोग का अनुरोध करते हैं तथा आमंत्रित नागरिकों से अन्न बर्बाद न करने का संकल्प लेने की अपील करते हैं।

संस्था की एक विशेष टीम रात में बचा हुआ स्वच्छ भोजन जरूरतमंद परिवारों, श्रमिकों, असहाय लोगों व फुटपाथ पर रहने वालों तक पहुँचाने का मानवीय कार्य भी निरंतर कर रही है।

विश्व में अन्न की स्थिति

भारत विश्व का एक प्रमुख अन्न उत्पादक देश है, परन्तु यहाँ हर वर्ष लगभग 6–7 करोड़ टन भोजन व्यर्थ चला जाता है, जो करोड़ों भूखों को भोजन करा सकता है।

खाद्य सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार भारत में अभी भी कुपोषण और भूख से ग्रस्त लोगों की संख्या बड़ी है। भोजन की बर्बादी से आर्थिक घाटा तथा पर्यावरण पर भी भारी प्रभाव पड़ता है।

विश्व में उत्पादित कुल भोजन का लगभग 1/3 हिस्सा (करीब 1.3 बिलियन टन) हर वर्ष बर्बाद हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया में आज भी 70 करोड़ से अधिक लोग भूख और कुपोषण से जूझ रहे हैं।

जिन देशों में अन्न की स्थिति अत्यंत दयनीय है उनमें यमन, अफगानिस्तान, सीरिया, इथियोपिया, दक्षिण सूडान, हैती, सोमालिया, आदि शामिल हैं.

इन देशों में करोड़ों लोग भुखमरी के कगार पर हैं, जहाँ भोजन की कमी, युद्ध, सूखा और आर्थिक संकट गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहे हैं।

हज-2026 के लिए प्रशिक्षण सत्र में दी गई जानकारियां

भिलाई। आगामी हज–2026 के लिए चयनित खुशकिस्मतों के लिए एक प्रशिक्षण) कार्यक्रम गैलेक्सी बैंक्वेट हाल में रखा गया। दिन भर चले सत्रों में हज के अरकान को समझाया गया। पहले सत्र में मौलाना दिलशाद ने हज की फजीलत कुरान हदीस की रोशनी में रखते हुए बताया कि हर बालिग, साहिबे हैसियत मर्द–औरत पर जिंदगी में एक बार हज फर्ज है। साहिबे हैसियत वो है जिस पर जकात फर्ज है ओर वो हज के सफर पर पूरा खर्च लेकर चले। इस दौरान अपने घरवालों का खर्चा भी छोड़े ताकि सफर हज में उसके वारिसों को दूसरों से मांगने की नौबत ना आए। दूसरे सत्र में हजरत सैय्यद जमीर ने हज जा रहे लोगों को जरूरी कागजी कार्यवाही और पासपोर्ट के साथ ही साथ लेकर जाने वाली सामग्री की जानकारी दी।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

राज्यपाल को स्वदेशी मेले के लिए दिया न्यौता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने रायपुर में 18 से 25 दिसंबर तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेले के लिए बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल को आमंत्रित किया। इस अवसर पर मेला आयोजन समिति विनय शर्मा, अमर बंसल, अमरजीत सिंह, जसप्रीत सलूजा, सुब्रत चाकी, सीमा शर्मा, मनीषा सिंह उपस्थित थी।

बूढ़ातालाब में म्यूजिकल फाउंटेन बन्द, एजेंसी को नोटिस जारी

रायपुर। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा सम्पादित किये गए गार्डन, तालाब तथा अन्य सौंदर्गीकरण कार्यों की देखभाल तथा देख-रेख हेतु एजेंसी मेसर्स अमित वलेचा को अनुबंधित किया गया है। बूढ़ातालाब स्वामी विवेकानंद सरोवर में म्यूजिकल फाउंटेन बंद पाया गया, जिसके कारण एजेंसी को नोटिस जारी किया गया है। नगर घड़ी चौक गुरू घासीदास टाइम स्क्वायर के समीप दो फाउंटेन स्थापित किये गए हैं। जिसमें से एक फाउंटेन कार्यरत है तथा एक फाउंटेन का मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा है, जिसे जल्द संधारित कर लिया जाएगा।

एनआईटी में पीएम-श्री स्कूल के टीचर्स की ट्रेनिंग शुरू

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में 8 दिसंबर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक पीएम-श्री स्कूल्स टीचर्स' ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। 8 दिसम्बर को इसका उदघाटन समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि डॉ. एन. वी. रमना राव रहे। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एन डी लोंढे, डीन (कॉर्पोरेट रिलेशंस एंड रिसोर्स मोबिलाइजेशन) डॉ. एस. सन्याल, डीन (एकेडमिक) डॉ. शुभ्रता गुप्ता, तथा सीईसी (कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल) चेयरमैन डॉ. एस. घोष, फैकल्टी मेम्बर्स और प्रतिभाग उपस्थित रहे।

रामकृष्ण मिशन रायपुर में श्रीश्रीमां शारदा जयंती 11 को

रायपुर। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर में 11 दिसंबर को श्रीश्रीमां शारदा देवी की 173 जन्मतिथि उत्सव पर विशेष पूजा पाठ एवं हवन होगा। आश्रम के सचिव योगस्थानंद ने बताया कि 11 दिसंबर को आश्रम प्रांगण स्थित मंदिर में सुबह 5 बजे मंगल आरती, 7 बजे विशेष पूजा, 9 बजे भजन तथा हवन भोग 11 बजे तथा आरती एवं पुष्पांजलि 12 बजे होगा। इसके पश्चात प्रसाद वितरण होगा जो कि हाथ में ही दिया जाएगा। इच्छुक भक्त सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच में दान दे सकते हैं। इसके पश्चात अगले महीने से स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह प्रारंभ हो जाएगा। 12 जनवरी को विवेकानंद का जन्मदिवस युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

18 स्थानों में खोले जाएंगे परिवहन सुविधा केन्द्र

रायपुर। भारत सरकार ने शीघ्र ही परिवहन सुविधा केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है। जहां पर लाइसेंस सहित अन्य कार्य किए जाएंगे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के अभनपुर, माना, आरंग, पंडरी, नयापारा, तोरला, खरोरा, सारागांव, तिल्दा, कोरपा, भैंसा, गोलचौक, सेजबहार, कचना, खमतराई यहां केन्द्र खोले जाएंगे। आवेदकों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय रायपुर में आवेदन देना होगा। आवेदकों को 28 दिसंबर तक आवेदन जमा करना होगा। आवेदन शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा। केन्द्र का उद्देश्य रजिस्ट्रेशन तथा लाइसेंस शुल्क सेवा उपलब्ध कराना है।

शिल्पकार हीराबाई झरेका बघेल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिया राष्ट्रीय हस्तशिल्प सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली धातुकला शिल्पकार हीराबाई झरेका बघेल को उनकी उत्कृष्ट कलात्मक उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ की समृद्ध धातुकला परंपरा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्थान दिलाने के लिए उनकी सराहनीय सेवा का प्रतीक है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय हस्तशिल्प समारोह में देश भर के हस्तशिल्पियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने की, इस मौके पर राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप उपस्थित थीं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर हीराबाई झरेका बघेल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि श्रीमती झरेका ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और धातुकला क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है।

संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों के कौशल संवर्धन के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, वित्तीय सहायता एवं प्रदर्शनियों का आयोजन करता रहता है, जिससे कि वे अपनी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर सकें। विभाग का उद्देश्य है कि प्रदेश के धातुकला एवं हस्तशिल्प क्षेत्र को संरक्षित करते हुए युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जाए। श्रीमती झरेका को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्राप्त होने से छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है।

प्री-इक्लेम्पसिया पर सिम्स की टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखी अपनी बात

66 गंभीर मरीज, कई को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा, 95 प्रतिशत स्वस्थ होकर लौटीं

- प्री-इक्लेम्पसिया, इक्लेम्पसिया और माइक्रोबायोटा पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शोध क्षमता का परचम लहराया है। मिनाक्षी मिशन मेडिकल कॉलेज, मदुरई (तमिलनाडु) में 4 से 7 दिसंबर तक आयोजित वर्ल्ड रिज्यूस्किटेशन कांग्रेस-2025 में सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, प्रदेश के वरिष्ठ माइक्रोबायोलॉजिस्ट तथा एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति ने महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत किए। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 40 देशों के 4000 शोधकर्ताओं एवं वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

गर्भवती महिलाओं में होने वाली जानलेवा स्थिति प्री-एक्लेम्पसिया विश्वभर में मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण है। इसमें उच्च रक्तचाप, प्रोटीन यूरिया और भ्रूण के विकास में बाधा देखी जाती है। यह स्थिति प्रत्येक 10 गर्भवती महिलाओं में से लगभग 1 में पाई जाती है। यदि झटके (सीजर्स) आने लगें, तो यह इक्लेम्पसिया कहलाती है।

पहली बार माँ बनने वाली महिलाएँ, 40 वर्ष से अधिक आयु, बीएमआई 35 से अधिक, परिवार में बीमारी का इतिहास, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज या किडनी रोग, जुड़वाँ एक से अधिक भ्रूण

सिम्स में बेहतर परिणाम

वर्ष 2025 में नवंबर तक सिम्स के एनेस्थीसिया आईसीयू में 66 गंभीर प्रि-इक्लेम्पसिया व इक्लेम्पसिया मरीज भर्ती हुए — कई को वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता पड़ी। इसके बावजूद 95 प्रतिशत महिलाएँ पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटीं। डॉ. मधुमिता मूर्ति ने बताया कि समय पर निफेडिपीने, लाबेटालोल, नियंत्रित मॉनिटरिंग और आवश्यकतानुसार मैग्नीशियम सल्फेट देने से मरीजों में जटिलताओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहना

अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति और वरिष्ठ माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा प्रस्तुत शोध Microbiota and Resuscitation Outcomes : An Overview सम्मेलन का मुख्य आकर्षण रहा, जिसे 40 देशों के विशेषज्ञों ने सराहा।

सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ना — जिससे ऊतकों को नुकसान हो सकता है। इम्यून सिस्टम की तीव्र प्रतिक्रिया — शरीर में अत्यधिक सूजन पैदा करती है। मेटाबोलिक परिवर्तन — ग्लाइकोलाइसिस और फैटी एसिड मेटाबोलिज्म प्रभावित होता है। रक्तचाप व रक्त वाहिकाओं के कार्य पर असर — हृदय संबंधी प्रतिक्रिया कमजोर हो सकती है।

***संभावित समाधान** - प्रोबायोटिक्स, लक्षित एंटीबायोटिक थेरेपी, फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांटेशन। शोध के अनुसार, माइक्रोबायोटा को बेहतर संतुलन में रखकर पुनर्जीवन परिणामों में सुधार की संभावना है, हालांकि इस दिशा में और बड़े शोध की जरूरत है।*

अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि सिम्स गंभीर मरीजों की देखभाल और शोध के क्षेत्र में लगातार नई ऊँचाइयों को छू रहा है। प्रि-एक्लेम्पसिया, इ क्लेम्पसिया और माइक्रोबायोटा जैसे विषय वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़े हैं। हमारे शोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिलना सिम्स के लिए गौरव का क्षण है।

नए विधानसभा भवन का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक के साथ आज नया रायपुर में निर्मित नए विधानसभा भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने भवन की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता तथा विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें विधानसभा भवन से जुड़ी व्यवस्थाओं और आगामी कार्यों की जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कश्यप ने अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध और प्रभावी रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र महत्वपूर्ण है।

सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को पहले से दुरुस्त होना जरूरी है। जनता से जुड़े विषयों पर गंभीरता से चर्चा हो, यही हमारी प्राथमिकता है। मंत्री श्री कश्यप ने बैठक कक्ष, प्रेस गैलरी, वीआईपी लाउंज, सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की तैनाती की भी जानकारी ली। उन्होंने सत्र के दौरान उपयोग होने वाले तकनीकी उपकरणों, ऑडियो-वीडियो सिस्टम और दस्तावेज प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की। इस अवसर पर विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डबरियों से बढ़ा जलस्तर, खुल गए आमदनी के नए संसाधन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल रोजगार उपलब्ध कराने का साधन भर नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बेहद प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। मनरेगा से निर्मित टिकाऊ परिसंपत्तियाँ न सिर्फ ग्रामीणों के लिए जल संरक्षण को मजबूत कर रही हैं, बल्कि उन्हें अतिरिक्त आय के अवसर भी प्रदान कर रही हैं। वर्षा आधारित खेती पर निर्भर किसानों के लिए डबरी निर्माण एक नई उम्मीद बनकर उभरा है, जिससे खेती के अलावा अन्य आजीविका के विकल्प भी खुल रहे हैं।

डबरी निर्माण के लिए जिला प्रशासन खैरागढ़ द्वारा विकासखंड छुईखदान में निजी भूमियों पर व्यापक रूप से स्वीकृतियाँ प्रदान की गई हैं। उद्देश्य यह कि किसान वर्षा जल संरक्षित कर सकें, सिंचाई क्षमता बढ़े और जल संकट की स्थिति में भी खेती प्रभावित न हो।

राजकुमार की 'आजीविका डबरी'

विकासखंड छुईखदान के ग्राम पंचायत खैरानवापारा के आश्रित ग्राम बेलगांव में किसान राजकुमार जंघेल की निजी भूमि पर मनरेगा निधि से 2.672 लाख रुपये की लागत से डबरी निर्माण कराया गया। इस कार्य से ग्रामीणों को 1359 मानव दिवस का रोजगार प्राप्त हुआ। पूर्व में राजकुमार जंघेल पूरी तरह बारिश आधारित खेती पर निर्भर थे, जिससे उत्पादन कम और आय सीमित रहती थी। डबरी के निर्माण ने परिस्थितियाँ बदल दीं। अब वे बरसाती पानी संरक्षित कर मछली पालन कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष 1.5 से 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी होने लगी है। डबरी की मेड़ पर अरहर जैसी फसलें लगाकर वे घर के उपयोग हेतु आवश्यक अनाज भी प्राप्त कर लेते हैं। जंघेल बताते हैं कि डबरी ने न सिर्फ पानी बचाया, बल्कि हमारी आमदनी भी बढ़ाई।

ओवर स्पीड वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई - कलेक्टर

जगदलपुर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर हरिस एस ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर से लगे चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट वाले मार्गों पर वाहनों की निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन कराया जाए। साथ ही शहर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश की तय समय सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने बिना अनुमति के मुख्य मार्गों पर डीजे संचालन, रैली एवं बारात निकालने पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ड्रोन सर्वे का विरोध, विधायक का मिला समर्थन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। एसईसीएल की कोरबा क्षेत्र अंतर्गत करतली ईस्ट परियोजना को लेकर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। पाली-तानाखार क्षेत्र के विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम की अगुवाई में प्रभावित 5 गांव के ग्रामीणों की बैठक पाली के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुई। सभी ने ड्रोन सर्वे का विरोध दर्ज कराते हुए कहा है कि यदि जोर जबरदस्ती की जाएगी तो ग्रामीण इसका डटकर मुकाबला करने को तैयार हैं।

मांगों को पूरा करते हुए साफ-सुथरा कार्य करने की अपेक्षा एसईसीएल प्रबन्धन व जिला प्रशासन से जताई गई है।

परियोजना हेतु ग्राम पुटा तहसील हरदीबाजार की भूमि का अधिग्रहण हेतु सी.बी.ए (कोल बीयरिंग एक्ट) के तहत धारा 9 (1) का प्रकाशन 23.02.2011 एवं धारा 11 का प्रकाशन 14.09.2011 को किया गया है। इसके सम्बन्ध में एसईसीएल कोरबा के नोडल अधिकारी (भू-राजस्व) के व्दारा पत्र प्रदान किया गया है जिसमें एसईसीएल कोरबा क्षेत्र व्दारा 10.12.2025 से 20.12.2025 के मध्य ड्रोन सर्वे कराये जाने की सूचना प्रदान की गई है।

इस सूचना के बाद ग्राम पंचायत पुटा, उड़ता, नुनेरा, डोंगानाला, करतली के ग्रामीणों ने ड्रोन सर्वे कराये जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए विरोध किया है। विधायक सहित ग्रामीणों का कहना है कि एसईसीएल की कोरबा जिले में संचालित अन्य परियोजनाओं के भूविस्थापितों के साथ हो रहे अन्याय को देख रहे हैं। आज वर्षों बाद भी वे अपने नौकरी, मुआवजा, सुविधायुक्त बसाहट को लेकर संघर्ष कर ही रहे हैं किंतु यहां ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

नदी-नाला पार कर पैदल पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 13वें चरण के तहत सुकमा जिले के सबसे संवेदनशील और दूर-दराज़ के क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराने के प्रति शासन पूरी रेलतराह से प्रतिबद्ध है। सुकमा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा स्वयं टीम के साथ नदी पार कर लगभग 2 किमी पैदल चलकर गाँवों में पहुँचे और अभियान की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

टीम ने सेक्टर गादीरास एवं केरलापाल के मिरिवाडा, एटपाल और फूलबगड़ी के दामापारा जैसे अति संवेदनशील ग्रामों का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने स्कूल एवं आश्रम के बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का महत्व समझाया। बच्चों को यह संदेश दिया गया कि मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें। मलेरिया से बचाव की सभी सावधानियों का पालन करें। बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य कार्यकर्ता को जानकारी दें या निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान एक बच्चे में मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने पर उसकी स्वास्थ्य जाँच कर दवा की पहली खुराक खिलाई गई। नदी पार कर पैदल मार्ग से गाँवों तक पहुँचना इस बात का संकेत है कि प्रशासन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं को हर घर तक पहुँचाने के मिशन पर लगातार काम कर रहा है।

गिधवा-परसदा बनेगा प्रमुख पक्षी संरक्षण केन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के प्रसिद्ध प्रवासी पक्षी आश्रयस्थल गिधवा-परसदा क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हजारों ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक क्षण को विशेष बना दिया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि गिधवा-परसदा पक्षियों के संवर्धन, संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में देश में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएगा।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि इस क्षेत्र में 270 से अधिक प्रजातियों के विदेशी व स्वदेशी पक्षी नियमित रूप से प्रवास करते हैं और स्थानीय जैव विविधता को समृद्ध बनाते हैं। दशकों से यह क्षेत्र साइबेरिया, यूरोप और मध्य एशिया से आए पक्षियों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक आवास रहा है। उन्होंने कहा कि बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटक अब पक्षियों के जीवन, व्यवहार, प्रवास चक्र और जैव विविधता को वैज्ञानिक दृष्टि से समझ सकेंगे।

पर्यटन एवं रोजगार

बर्ड सफारी से स्थानीय युवाओं को होम-स्टे, गाइडिंग, बोटिंग, ईको-टूरिज्म, लोकल उत्पाद बिक्री और ट्रांसपोर्ट सेवाओं से रोजगार उपलब्ध होगा। सोलर लाइटिंग, बर्ड वॉचिंग टॉवर, सूचना केंद्र, जैवविविधता अध्ययन केंद्र, पार्किंग स्थल से बढ़ावा मिलेगा।

संस्कृति और प्रकृति

भारतीय संस्कृति में पक्षी और जीव-जंतु हमेशा पूज्य रहे हैं। वैदिक काल से लेकर आधुनिक युग तक पक्षियों को शुभता, समृद्धि और पर्यावरण संतुलन का प्रतीक माना गया है। कश्यप ने युवाओं से अपील की कि वे जैव विविधता के संरक्षण की जिम्मेदारी लें।

सपना साकार हुआ-बघेल

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि वे बचपन से यहां पक्षियों के विचरण को देखते आए हैं। क्षेत्र के लोगों ने वर्षों पहले संकल्प लिया था कि किसी भी प्रवासी पक्षी को क्षति नहीं पहुंचानी है। इसी संकल्प ने गिधवा-परसदा को पक्षी विहार के रूप में विकसित कर दिया है।

नवभारत महपरीक्षा में एकसाथ शामिल हुए सास-बहू और ससुर

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत कोरबा जिले में आयोजित उल्लास महापरीक्षा अभियान में 15,950 से अधिक लोगों ने भाग लेकर साक्षरता की दिशा में अभूतपूर्व कदम बढ़ाया। इस महाअभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को इतना सक्षम बनाना है कि वे अपना फॉर्म स्वयं भर सकें, अपना नाम खुद लिख सकें और हस्ताक्षर करने में आत्मनिर्भर बन सकें।

जिले की सभी प्राथमिक शालाओं में आयोजित इस महापरीक्षा में नवसाक्षरों ने अपने दैनिक कार्यों से समय निकालकर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक उत्साहपूर्वक परीक्षा दी। इस अभियान की विशेष बात यह रही कि सासदबहू और ससुर एक साथ परीक्षा देने पहुंचे, जिससे शिक्षा के प्रति समाज में बढ़ती जागरूकता का अद्भुत संदेश गया। पाली विकासखंड के प्राथमिक शाला जमनीपारा में बहू संतोषी बाई, सास वृंदा बाई और ससुर भैयाराम श्याम ने एक साथ परीक्षा देकर शिक्षा का अलख जगाया। इसी तरह करतला ब्लॉक के प्राथमिक शाला मधुबनी में बापदूबेटी की प्रेरक जोड़ी देखने को मिली, जहां आशा प्रजापति ने अपने पिता पंचराम प्रजापति के साथ परीक्षा में शामिल होकर सीखने के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। पाली ब्लॉक के उड़ता संकुल स्थित प्राथमिक शाला छिंदपानी में 86 वर्षीय अंजोरा बाई का परीक्षा में शामिल होना पूरे अभियान का प्रेरणादायी क्षण बना।

यह सफर आशीर्वाद से कम नहीं' 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन ने कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा को कहा शुक्रिया

अभिनेत्री सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'धुरंधर' में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया है। उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। फिल्म में उन्होंने यमाली (राकेश बेदी) की बेटी एलीना का किरदार अदा किया है। उनके अभिनय और खूबसूरती ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। सारा ने फिल्म में काम करने का श्रेय कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को देते हुए उनका शुक्रिया अदा किया है।

सारा अर्जुन ने मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने मुकेश छाबड़ा के साथ अपनी एक फोटो शेयर करते हुए एक लंबा नोट लिखा है। वे लिखती हैं, 'यह पोस्ट उस शख्स के लिए, जिसने मेरी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। मेरे प्यारे मुकेश सर, कभी-कभी जिंदगी धीरे से पिता के साथ-साथ आपके रास्ते में एक और गाइड करने वाली मौजूदगी लाती है। कोई ऐसा जिसका विश्वास आपकी अपनी जड़ों की जगह नहीं लेता, बल्कि चुपचाप उन्हें मजबूत करता है। मेरे लिए, वह मौजूदगी आप हैं। आपने दुनिया को पता चलने से पहले ही मुझ पर इतना यकीन किया। चुपचाप किए गए आपके उस यकीन ने सब कुछ बदल दिया'।

बोलीं-, 'आप सिर्फ मौके नहीं देते, बल्कि कुछ बनने की जगह देते हैं'

सारा ने आगे लिखा है, 'हर बार जब 'धुरंधर' की कास्टिंग की तारीफ होती है, तो मुझे बहुत गर्व होता है, क्योंकि आपकी समझ, आपके विजन और आपके दिल ने उस जादू को बनाया। आप वह देखते हैं, जो दूसरे अक्सर चूक जाते हैं। आप सिर्फ मौके नहीं देते, आप लोगों को कुछ बनने की जगह देते हैं। आपका पैशन मुझे बहुत प्रेरित करता है। हर दिन खुद से बेहतर करने की आपकी जो भूख है, वह कुछ ऐसी है, जिसे मैं सच में देखती हूं।

'सच्ची ताकत कभी शोर नहीं मचाती'

सारा लिखती हैं, 'ऐसे पल आते हैं, जब काम बैकग्राउंड में चला जाता है और जो बचता है वह है मौजूदगी। वह शांत ताकत। वह अनकहा भरोसा, जो मेरे दिल को स्थिर और सुरक्षित महसूस कराता है। आपने मुझे दिखाया है कि सच्ची ताकत कभी शोर नहीं मचाती, और असली विश्वास को एलान की जरूरत नहीं होती। यह बस वहीं खड़ा रहता है। मुझमें एलीना को देखने के लिए धन्यवाद। उन पलों में मेरी हिम्मत बनाए रखने के लिए धन्यवाद, जिनका नाम मुझे कभी नहीं लेना पड़ा। विज्ञापन से लेकर 'धुरंधर' तक, यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता'।

बॉक्स ऑफिस पर छाई 'धुरंधर'

सारा ने आगे लिखा है, 'मैं इसे इत्तेफाक नहीं, रहनुमा मानती हूं कि पिता का साया भी हो और साथ ही ऐसा हाथ भी जो थामना जानता हो। मुझे आप पर गर्व है और आपने मुझ पर जो विश्वास दिखाया, मैं उसका हमेशा सम्मान करूंगी। ढेर सारे प्यार के साथ शुक्रिया'। फिल्म 'धुरंधर' 05 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। तीसरे ही दिन फिल्म 300 करोड़ क्लब का हिस्सा बन गई।

आधी पिनिसेट्टी की रोमांचक थ्रिलर ड्राइव का टीज़र जारी; 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

आधी पिनिसेट्टी थ्रिलर फिल्म ड्राइव में मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें मैडोना सेबेस्टियन मुख्य भूमिका में हैं। भव्य क्रिएशन्स के बैनर तले वी. आनंद प्रसाद द्वारा निर्मित और जेनुसे मोहम्मद द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्देशन किया गया है। यह फिल्म 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज़ के लिए तैयार है और इसका टीज़र आज जारी किया गया।

ड्राइव के टीज़र में आदी पिनिसेट्टी को अपने पिता की प्रजा मीडिया कॉर्पोरेशन के उत्तराधिकारी के रूप में दिखाया गया है, जिसे वह सफलतापूर्वक चलाते हैं। एक जानी-मानी मीडिया कंपनी, जिसका अकाउंट एक अज्ञात हैकर द्वारा हैक कर लिया जाता है।

यह साइबर हमला कंपनी की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को खतरे में डालता है। यह हैकर कौन है? उसने प्रजा मीडिया कॉर्पोरेशन और नायक की निजी ज़िंदगी, दोनों को क्यों निशाना बनाया? क्या नायक उसे पकड़ पाता है या नहीं? ये सवाल टीज़र को और भी दिलचस्प बनाते हैं।

मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वरप्रसाद गारू का दूसरा गाना शशिरेखा रिलीज

हिटमेकर अनिल रविपुडी की डायरेक्ट की हुई फैमिली एंटरटेनर फिल्म मन शंकरा वर प्रसाद गारू, जिसका बेसब्री से इंतज़ार था, संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने से पहले ही धूम मचा रही है। शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स के तहत साहू गरपति और सुष्मिता कोनिडेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म बहुत एक्साइटमेंट से भरी हुई है। टीम का प्रमोशन ज़ोरों पर है, और पहला शानदार सिंगल मीसाला पिल्ला पहले ही चार्टबस्टर बन चुका है।

दूसरा सिंगल, ससिरेखा, अब रिलीज़ हो गया है, और यह भीम्स सेसिरोलियो की बनाई एक दिल को छू लेने वाली धुन है। अनंथा श्रीराम के लिरिक्स एक रोमांटिक सफ़र को खूबसूरती से दिखाते हैं जहाँ प्यार हदों को पार कर जाता है। मधु प्रिया और भीम्स की शानदार आवाज़, भानु मास्टर की शानदार कोरियोग्राफी के साथ मिलकर, गाने को ज़बरदस्त बनाती है। चिरंजीवी और नयनतारा की शानदार केमिस्ट्री, ट्रेडिशनल आउटफिट्स और अनोखी जगहों पर शानदार मूव्स इस गाने के चार्म को और बढ़ा देते हैं।

फिल्म में विक्ट्री वेंकटेश और वीटीवी गणेश जैसे स्टार्स की टीम है, जिन्हें एक काबिल टेक्निकल टीम का सपोर्ट मिला है। समीर रेड्डी की सिनेमैटोग्राफी, तम्मीराजू की एडिटिंग और एएस प्रकाश के प्रोडक्शन डिज़ाइन के साथ, माना शंकरा वर प्रसाद गारू एक शानदार विजुअल ट्रीट का वादा करती है। एस. कृष्णा और जी. आदि नारायण ने मिलकर यह कहानी लिखी है, जो एक बड़े त्योहार पर रिलीज़ होने वाली है।

जैसे-जैसे हाइप बढ़ रही है, यह संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने वाली फिल्म देखने लायक है, जिसमें रोमांस, ड्रामा और एंटरटेनमेंट का मिक्स है। स्टार्स की टीम में मेगास्टार चिरंजीवी, विक्ट्री वेंकटेश, नयनतारा, वीटीवी गणेश शामिल हैं।

अभिनेत्री हेमा पोथाना: रंगों और सपनों की दुनिया में मजबूती से उभरती हुई

सिनेमा की जीवंत दुनिया में एक सितारा उभर कर आया है—निडर, दृढ़निश्चयी और स्व-निर्मित। युवा अभिनेत्री हेमा पोथाना अटूट आत्मविश्वास के साथ, अपने रास्ते की हर बाधा को पार करते हुए, फ़िल्मों में अपना सफ़र जारी रखे हुए हैं। अपनी सुंदरता, प्रतिभा और भावनात्मक गहराई के साथ, वह तेलुगु फ़िल्म उद्योग में एक उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही हैं। कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो देने के बावजूद, उन्होंने दु:ख को शक्ति में बदल दिया और अपने जीवन को अपने हाथों से आकार दिया।

विजयवाड़ा की रहने वाली हेमा अपने व्यक्तित्व के दो विशिष्ट मूल्यों जिज्ञासा और साहस को मज़बूती से थामे हुए बड़ी हुईं। माता-पिता के निधन से पैदा हुए खालीपन के बावजूद, उन्होंने दुःख के आगे घुटने नहीं टेके। इस दृढ़ निश्चय के साथ मैं अपना जीवन खुद बनाऊँगी, वह हैदराबाद आ गईं। इसी साहस ने उन्हें एक महत्वपूर्ण मुकाम दिलाया: 2013 में, उन्हें मिस हैदराबाद का ताज पहनाया गया, जो एक ऐसा मोड़ था जिसने नई शुरुआत के द्वार खोल दिए।

सिनेमा के प्रति अपने प्रेम से प्रेरित होकर, हेमा ने टॉलीवुड में कदम रखा और 100 लव, चालाकी, कॉफ़ी बार, राज जैसी फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लेकिन ज़िंदगी में एक अप्रत्याशित मोड़ आया। एक भयानक सड़क दुर्घटना ने उनकी दुनिया हिलाकर रख दी, जिससे उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई कि डॉक्टरों को भी शक था कि वह ठीक हो पाएंगी। लेकिन हेमा ने हार नहीं मानी। वह फिर से उठ खड़ी हुईं, पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत। इस दुर्घटना ने उन्हें रोका नहीं; इसने उन्हें और भी ज़्यादा दृढ़ निश्चयी बना दिया।

अब, हेमा आगामी ग्रामीण विषय पर आधारित फिल्म मैडम में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। भावनात्मक रूप से समृद्ध कहानी और अभिनय की भरपूर संभावनाओं के साथ, वह इस परियोजना के माध्यम से अपने अभिनय कौशल को निखारने और नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती हैं।

हालाँकि उन्होंने बिना किसी गॉडफ़ादर के इंडस्ट्री में कदम रखा, लेकिन उनके आत्मविश्वास, लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत ने उन्हें एक के बाद एक मौके दिलाए। दर्शकों की नज़रों में उनके प्रति प्रशंसा लगातार बढ़ रही है।

हेमा पोथाना का सफ़र सिर्फ़ एक फ़िल्मी करियर से कहीं बढ़कर है यह दृढ़ता, साहस और कठिनाइयों से ऊपर उठने की इच्छाशक्ति की कहानी है। हर कदम आगे बढ़ने के साथ, वह सिनेमा जगत में अपनी पहचान बना रही हैं और सफलता की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं।

अली फजल की नई वेब सीरीज राख का ऐलान सामने आई अभिनेता की पहली झलक

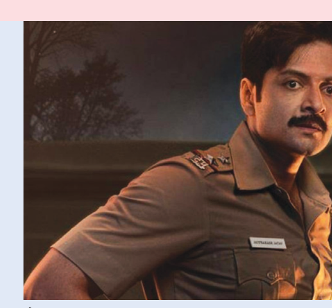

बॉलीवुड स्टार अली फजल को उनके किरदार मुन्ना भैया के लिए लोग याद करते हैं। उनकी लेटेस्ट सीरीज का अनाउंसमेंट हो गया है। अली फजल की नई सीरीज का नाम होगा राख। इसमें वो एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे।

'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है। सीरीज के पहले पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'राख से निकलेगा न्याय, नई ओरिजिनल सीरीज प्राइम वीडियो पर 2026 में आएगी।'

इसके पहले पोस्टर में अली फजल हैरानी से किसी चीज को निहारते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में मुन्ना भैया वाला खौफ कम और हैरानी अधिक दिख रही है। इसके बैकग्राउंड में एक पुरानी पुलिस की जीप खड़ी है और साथ में कुछ पुलिस वाले दिखाई दे रहे हैं।

वर्दी में अली फजल काफी दमदार दिख रहे हैं। इससे ये कहा जा सकता है कि ये सीरीज भी काफी धमाकेदार होगी। इसमें सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल निभाएंगे। पहले पोस्टर को देखने के बाद लोग भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इसे लाइक करते हुए वो इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित दिखे। कइयों ने फायर इमोजी भी शेयर की है। इस सीरीज को प्रोसित रॉय ने डायरेक्ट किया है। इन्होंने ही अनुष्का शर्मा की फिल्म परी को डायरेक्ट किया था। बताया जा रहा है कि इसमें अपराध और न्याय के बीच की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को दिखाया जाएगा।

कार्थी अभिनीत और स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित बहुप्रतीक्षित अन्नागरु वोस्तारु का ट्रेलर

कार्थी अभिनीत बहुप्रतीक्षित मनोरंजक फिल्म अन्नागरु वोस्तारु इस महीने की 12 तारीख को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित स्टूडियो ग्रीन बैनर तले केई ज्ञानवेल राजा द्वारा निर्मित और नलन कुमारस्वामी द्वारा निर्देशित, जो कहानी को एक एक्शन-कॉमेडी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। कृति शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

सशक्त निर्देशक हरीश शंकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के ज़रिए फिल्म का ट्रेलर जारी किया। उन्होंने ट्रेलर की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से मनोरंजक है और सिनेमाघरों में फिल्म देखने की उत्सुकता जगाता है। हरीश शंकर ने अन्नागारु वोस्तारु की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ भी दीं। ट्रेलर में कार्थी को एक मज़ेदार और तीखे हास्यबोध वाले पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। सिनेमा से उनका जुड़ाव बचपन से ही शुरू हो जाता है, जो उनके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। उनका मानना है कि पुलिस विभाग को और अधिक सम्मान मिलना चाहिए और वे अपनी वर्दी भी गर्व से सिलवाते हैं।

उनका रोमांटिक पक्ष तब सामने आता है जब वे नायिका से मिलते हैं और उसे प्यार से जॉली टु मीट यू कहकर अभिवादन करते हैं। साथ ही, वे विभिन्न परिस्थितियों में चतुराई और साहस का परिचय देते हैं। जब समाज को सचमुच एक सच्चे नायक की ज़रूरत होती है, तो वे अन्नागरु के रूप में आगे आते हैं।

फरहाना भट्ट ने बिग-बॉस-19 को बताया सबसे बड़ा जैकपॉट, कहा- लोग मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं

कलर्स रियलिटी शो बिग-बॉस-19 ग्रैंड फिनाले की ट्रॉफी अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने नाम कर ली है और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना भट्ट दूसरे नंबर पर रही हैं। शो के दौरान फराहाना को कई मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए देखा गया। वहीं, घर के दूसरे कंटेस्टेंट से लड़ाई और अपशब्द कहने पर सलमान से डांट भी पड़ी थी, लेकिन इतनी सारी लड़ाई और एक बार बिग बॉस से निकलने के बावजूद फराहाना दूसरे पायदान पर पहुंचीं। हालांकि, ट्रॉफी उनके नाम नहीं आई। फरहाना ने शो को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट बताया।

उन्होने कहा, बिग-बॉस मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट है। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले कश्मीर में मैं एक आम सी लड़की थी, और मुझे कोई भी नहीं जानता था। आज लाखों लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं। ये आसमान-जमीन का फर्क है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।

फरहाना ने शो को लेकर भी कुछ बातें की। उन्होंने कहा, शो की शुरुआत में लोग मुझे विलेन बना रहे थे और एक वक्त ऐसा आया, जब मुझे खुद लगने लगा कि शायद मैं सच में बुरी हूं, लेकिन जब पता चला कि बाहर लोग मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं, तो समझ में आया कि हमारी जनता सब देखती है। वो सही-गलत की पहचान करती है।

जब उनसे पूछा कि वे बाहर निकलने के बाद सबसे पहले क्या करेंगी, इस सवाल का जवाब देते हुए फरहाना ने कहा, सबसे पहले तो मैं अपनी मां के साथ समय बिताऊंगी क्योंकि मैं उन्हें बहुत मिस कर रही हूं।

श्रीनगर की रहने वाली फरहाना को भले ही आज कई लोग जानते हैं, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म लैला मजनू में एक छोटा सा रोल किया था।

इसके बाद वे अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में भी साइड रोल में नजर आई थीं। इसके बाद भी वे फिल्म नोटबुक में भी नजर आई थीं।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मिल रही मजबूती: उपमुख्यमंत्री शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने 2.97 करोड़ रुपए लागत के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के सतत और दृढ़ प्रयासों का परिणाम है कि कबीरधाम जिला शहर से लेकर गाँव तक चौमुखी विकास कर रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम कोको में 2 करोड़ 97 लाख रुपए की लागत से 4.30 किमी लंबे मोहगांव-छांटा-कोको सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

यह सड़क केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में आने वाले आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगी। वर्षों से सड़क संपर्क के अभाव में रहे ग्रामीणों के लिए यह निर्माण नई उम्मीद, नया अवसर और नया भविष्य लेकर आएगा।

ग्रामवासियों ने सड़क निर्माण के लिए उपमुख्यमंत्री शर्मा से आग्रह किया था, जिसे उन्होंने प्राथमिकता देते हुए मंजूरी प्रदान की। आज भूमि पूजन के साथ ही इस बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है, जिससे पूरा क्षेत्र विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएँ भी कीं। उन्होंने हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण की घोषणा करते हुए स्कूल परिसर के समतलीकरण के लिए 3.50 लाख रुपए, सी सी रोड के लिए 2.60 लाख रुपए, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु मंच निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए, सहकारी समिति पहुंच मार्ग के लिए सीसी रोड निर्माण, छांटाङ्कोको मार्ग के बीच मुरमीकरण के लिए 5 लाख रुपए, विद्यार्थियों की सुविधा के लिए साइकिल स्टैंड निर्माण की घोषणा की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है और यह परियोजना स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। इस सड़क के बनने से मोहगांव-छांटा-कोको गांव के हजारों ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा। आवागमन में सुविधा होगी। बेहतर सड़कों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और व्यापार के नए अवसर साकार होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार गांवों में बेहतर सड़कें और सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने आगे कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है, ताकि हर व्यक्ति को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हर क्षेत्र, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण, विकास की मुख्यधारा से जुड़े।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित सभागार में राज्य की योजनाओं की समीक्षा की गई। विकासशील ने सचिवों को निर्देशित किया कि अपने विभाग के लिए अगले तीन वर्षों की कार्ययोजना तैयार करें, ताकि प्रदेश में कुशलता के साथ और तीव्र गति से काम हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनता के हित में सतत् कार्य करना है।

बैठक में वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल नवीन मद प्रस्तावों, योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। लक्ष्य और उपलब्धि के आधार पर विभागवार प्रस्तुति भी दी गई। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के एसएनए-स्पर्श प्रणाली में ऑनबोर्डिंग व पेमेंट की अद्यतन स्थिति, प्रमुख योजनाओं की क्रियान्वयन प्रगति, नवीन मद के प्रस्तावों की स्थिति, वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति, तथा पूंजीगत व्यय की जानकारी सहित सभी प्रमुख बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। साथ ही बजट प्रावधान के विरुद्ध व्यय और ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर भी विशेष चर्चा की गई।

इसके अलावा मुख्य सचिव ने आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को विभागों में सही ढंग से लागू करने, ई-ऑफिस को संचालनालय के साथ-साथ जिला स्तर पर भी आगामी वर्ष में पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभागों के स्थापना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि e-HRMS पोर्टल पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण रूप से ऑनबोर्ड हो जाए।

पुनर्वासित माओवादियों ने वर्चुअल रियालिटी में देखी सुनीता विलियम्स की प्रेरणादायी कहानी

पुनर्वासित माओवादियों को कराया गया सेंट्रल लाइब्रेरी का भ्रमण, टेलिस्कोप से देखी अंतरिक्ष की दुनिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतरिक्ष में सफर करतीं भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स और उनके अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा स्पेस वॉक करने और धरती से कई किलोमीटर दूर स्पेस स्टेशन में उनके जीवन को वर्चुअल रियालिटी (व्हीआर सेट) के माध्यम से महसूस करते पुनर्वासित युवा। यह नजारा बीजापुर के सेंट्रल लाइब्रेरी में आज देखने को मिला। जब पुनर्वास केंद्र के नवसाक्षर पुनर्वासित युवाओं को सेंट्रल लाइब्रेरी भ्रमण के लिए लाया गया। सभी ने जिज्ञासा से वहां की व्हीआर सेट से सुनीता विलियम्स की नासा से लेकर अंतरिक्ष यात्री बनने की प्रेरणादायी कहानी को सुना और उससे प्रेरणा ली।

इस अवसर पर युवाओं को टेलिस्कोप के द्वारा अंतरिक्ष को दिखाया गया। तारे और ग्रहों का अवलोकन कराते हुए उन्हें विज्ञान की नई दुनिया से परिचित कराया गया। इसके साथ ही नवसाक्षरों के लिए बनाई गई आधारभूत शिक्षा की 'एकलव्य' पुस्तक को भी सभी को पढ़ाया गया। उन्हें माइंड पजल वाले खेल खिलाये गए। सभी ने लाइब्रेरी की पुस्तकों का खूब आनंद लिया। कई लोगों ने तो पहली बार इतनी सारी किताबें एक साथ देखी थी उन्हें दुनिया को किताबों के सहारे जानने की आकांक्षा हुई। यहाँ उन्हें पुस्तक पढ़ने की आदत, विश्व ज्ञान की ओर प्रवृत्ति, मानचित्र अध्ययन एवं अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित रोचक जानकारियाँ दी गईं। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार साहू तथा पुनर्वास केंद्र बीजापुर के संचालक गौरव पांडे भी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रतिभागियों से संवाद भी किया।

छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति एक ऐसा दस्तावेज है जो ना सिर्फ माओवाद की विचारधारा में भटके युवाओं को मुख्यधारा में लाने का कार्य कर रही है बल्कि उनमें आत्मविश्वास जगा कर उन्हें समाज में शामिल करने में मदद भी करती है। उनके मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान केंद्रित कर नए जीवन में मजबूती से स्थापित करने में सहायता करती है।

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा डिजिटल की ओर बढ़ता कदम

राज्यभर में INFLIBNET सेवाओं के एकीकृत क्रियान्वयन की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के डिजिटलीकरण को नए युग में ले जाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने INFLIBNET (Information and Library Network) सेवाओं के राज्यव्यापी विस्तार की प्रक्रिया को गति दे दी है। त्नष्ट और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्थापित इसका अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र देशभर में लाइब्रेरी ऑटोमेशन, डिजिटल संसाधन, प्लेगरिज़्म डिटेक्शन, शोध प्रबंधन, ई-कंटेंट और अकादमिक प्रोफाइलिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ लगभग नि:शुल्क उपलब्ध कराता है।

इन सेवाओं के लागू होने से छत्तीसगढ़ के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में शिक्षण, अधिगम और शोध कार्यों को अत्याधुनिक डिजिटल आधार मिलेगा। क्लाउड-आधारित मॉडल के कारण विश्वविद्यालयों का आईटी खर्च भी कम होगा। यह पहल राज्य में उच्च शिक्षा के डिजिटल रूपांतरण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक प्रयासों में से एक मानी जा रही है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के सभागार में आज राज्य के सभी 09 शासकीय विश्वविद्यालयों के ONOS (One Nation One Subscription) नोडल अधिकारियों की तकनीकी कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला में की विभिन्न सेवाओं, डिजिटल शोध उपकरणों, लाइब्रेरी ऑटोमेशन, एकीकृत डैशबोर्ड, चरणबद्ध प्रशिक्षण मॉडल एवं हेल्पडेस्क की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित नोडल अधिकारी आगे महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को इन सेवाओं के प्रभावी उपयोग के लिए मार्गदर्शन देंगे। कार्यशाला उपरांत उच्च शिक्षा विभाग (DHE), INFLIBNET और छत्तीसगढ़ के सभी विश्वविद्यालयों के बीच ऐतिहासिक त्रिपक्षीय स्रूश्व साइन किया गया। यह स्रूश्व राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को एकीकृत डिजिटल ढांचे से जोड़ने का आधार बनेगा।इस महत्वपूर्ण समारोह में सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ. एस. भारतीदासन ने कहा कि INFLIBNET सेवाओं का राज्यव्यापी एकीकरण छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से सशक्त और भविष्य-सिद्ध बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह पहल छात्रों और शिक्षकों को देशभर के शीर्ष डिजिटल संसाधनों तक समान पहुंच प्रदान करेगी। इससे शोध का स्तर बढ़ेगा, पारदर्शिता आएगी और विश्वविद्यालय एक समन्वित डिजिटल फ्रेमवर्क में काम कर सकेंगे। त्रिपक्षीय स्रूश्व छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों को एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम से जोड़ने की बड़ी शुरुआत है। सेवाएँ लाइब्रेरी, शोध और अकादमिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार लाएँगी। हम सभी संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण, इम्प्लीमेंटेशन और मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे, ताकि इसका अधिकतम लाभ छात्रों और शिक्षकों तक पहुँचे।

छात्रों-शिक्षकों को मिलेगा व्यापक लाभ

INFLIBNET की प्रमुख सेवाएँ छत्तीसगढ़ के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को व्यापक रूप से लाभान्वित करेंगी। इनमें स्द्गस्रूसॉफ्टवेयर से लाइब्रेरी ऑटोमेशन, शोधगंगा के माध्यम से थीसिस और शोध कार्य का डिजिटलीकरण, शोधशुद्धि द्वारा प्लेगरिज़्म जांच, शोधचक्र से शोध गतिविधियों का कुल प्रबंधन, IIRINS के माध्यम से शिक्षकों और शोधकर्ताओं की डिजिटल अकादमिक प्रोफाइलिंग, रिसोर्स शेयरिंग से संसाधनों के दोहराव में कमी एवं सहयोग में वृद्धि और लगातार क्षमता निर्माण कार्यक्रम और प्रशिक्षण शामिल हैं। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के डिजिटल शिक्षा एवं शोध सुदृढ़ीकरण के उद्देश्यों के साथ पूर्णत: सामंजस्य रखती है। छत्तीसगढ़ में INFLIBNET सेवाओं का यह एकीकृत क्रियान्वयन उच्च शिक्षा में डिजिटल क्रांति का नया अध्याय लिखने जा रहा है।

ग्रामीण बस योजना ग्रामीण जनों के लिए जीवनरेखा: केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय कामकाज की समीक्षा की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, विशेषकर ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक), ग्रामीण बस योजना और वाहन सुरक्षा से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर सचिव परिवहन एस प्रकाश सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि छत्तीसगढ़ के सभी परिवहन कार्यालयों में सेंसर आधारित ऑटोमेटेड कंप्यूटरीकृत ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) बनाने की योजना लागू है। ई-ट्रैक के माध्यम से कुशल चालक ही लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे, जिससे सड़क सुरक्षा बढ़ेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इस निर्माण कार्य की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को सौंपी गई है।

24 नवंबर 2025 को सचिव सह-परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में समीक्षा करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप सभी स्वीकृत आरडीटीसी और डीटीसी भवनों का निर्माण समय पर पूरा होना चाहिए। उन्होंने संचालकों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना 2025 की प्रगति का भी विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। योजना का उद्देश्य ग्रामीण किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, छात्रों और आम नागरिकों को जनपद, तहसील और जिला मुख्यालय तक सस्ती, नियमित और सुरक्षित बस सुविधा उपलब्ध करवाना है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों से बाजार, रोजगार, पढ़ाई और चिकित्सा सुविधाओं तक आसान पहुँचना सुनिश्चित किया जाएगा। सुदूर एवं संवेदनशील क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों तक बेहतर आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि यह योजना ग्रामीण विकास और सुगम परिवहन व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वाहनों की फिटनेस जांच को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य में अब तक 8 ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर (रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, कोरबा, राजनांदगांव, रायगढ) संचालित हैं। मशीनों के माध्यम से की जा रही फिटनेस जांच से तकनीकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

बैठक में अधिकारियों ने मंत्री कश्यप को बताया कि ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटरों के संचालन में गुजरात के बाद छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर है, यह राज्य के लिए गौरव की बात है। इसके साथ ही जल्द से जल्द जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, धमतरी, महासमुंद, कांकेर, दंतेवाड़ा, सारंगढ़ और सूरजपुर में भी नए ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

वाहन सुरक्षा के लिए व्हीकल ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म की प्रगति

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्भया फ्रेमवर्क के तहत सार्वजनिक वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटी) और इमरजेंसी बटन लगाने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अब तक 1 हजार 900 यात्री वाहनों और 5 हजार 800 स्कूल बसों में ट्रैकिंग डिवाइस लगाया जा चुका है। किसी भी आपात स्थिति में पैनिक बटन दबाते ही सूचना परिवहन विभाग के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से पुलिस विभाग के डायल 112 तक पहुँच जाएगी।

रैंप योजना से महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को नई दिशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से रैंप योजना (Raising and Accelerating MSME Performance) के अंतर्गत सूरजपुर जिले में महिलाओं के लिए 15 दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रशिक्षण का सल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अभिनव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा ग्राम केनापारा, विकासखंड सूरजपुर में 21 नवंबर से 7 दिसंबर 2025 तक संचालित हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को उद्यम स्थापना, संस्करण, मूल्य संवर्धन तथा स्वरोजगार की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना था। कार्यक्रम में 37 महिलाओं ने भाग लेकर उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं की व्यवहारिक जानकारी हासिल की। समापन कार्यक्रम में एनआरएलएम की कार्यक्रम प्रबंधक ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने बताया कि सूरजपुर जिले में स्वरोजगार और व्यापार की अपार संभावनाएँ हैं।

जोंधरा में बने पुल से जन-जीवन हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के ग्रामीण इलाकों में मूलभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों के सकारात्मक परिणाम अब तेजी से सामने आ रहे हैं। विशेषकर सड़क और पुल-पुलिया निर्माण ने दूरस्थ गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका गतिविधियों को नई गति दी है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखण्ड के जोंधरा में निर्मित पुल से जन जीवन आसान हो गया है। माकड़ी-हटवार पारा-गलीपारा मार्ग से जुड़े लगभग 10 किलोमीटर सड़क पर ग्राम जोंधरा में वृहद पुल निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 3 करोड़ 95 लाख 25 हजार रुपये की लागत से निर्मित 43 मीटर लंबा यह पुल क्षेत्र के आवागमन और विकास के लिए अहम आधार बना है।

पुल निर्माण से पूर्व बरसात के मौसम में नदी-नाले उफान पर आ जाते थे, जिससे जोंधरा सहित आसपास के गांवों का संपर्क मार्ग कई दिनों तक बाधित रहता था। ग्रामीणों को स्कूल, बाजार, अस्पताल सहित दैनिक कार्यों के लिए आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब पुल बन जाने से वर्षभर सुरक्षित और निर्बाध परिवहन सुनिश्चित हो गया है।

ग्राम बुडरा की निवासी श्रीमती जयबती पोयाम ने खुशी जाहिर करते हुए बताया, पुल के बन जाने से हम बहुत खुश हैं, क्योंकि अब बरसात में आने-जाने में आसानी होगी और एम्बुलेंस का भी आना-जाना संभव होगा। पहले पानी बढ़ने पर रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता था।

इस वृहद पुल का लाभ केवल ग्राम जोंधरा तक सीमित नहीं है, बल्कि बुडरा, धारली और राकशबेड़ा जैसे तीन प्रमुख गांवों को भी मिला है। विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को अब प्रतिदिन के कार्यों के लिए अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सकी है। इससे शिक्षा, कृषि-व्यापार और सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है।

खास खबर

डायल-108 के ड्राइवर पर चाकू से हमला, कान का हिस्सा कटा

रायगढ़। मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में रविवार की शाम निजी एम्बुलेंस ड्राइवर और डायल-108 के चालक के बीच बहसबाजी खूनी विवाद में बदल गई। दो निजी एम्बुलेंस चालकों ने डायल-108 के ड्राइवर पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के वार से उसके कान का एक हिस्सा कट गया। घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चक्रधर नगर पुलिस के अनुसार पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉलोनी निवासी गिरजाशंकर लहरे (32) डायल-108 आपातकालीन सेवा में चालक है। रविवार को छुट्टी होने के कारण वह परिचित अनिल राय और दूसरे निजी एम्बुलेंस चालकों के साथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने जंगल क्षेत्र में पिकनिक मनाने पहुंचा था। पिकनिक के दौरान निजी एम्बुलेंस चालक सैय्यद ने गिरजा शंकर पर आरोप लगाया कि वह मरीजों को मुफ्त में अस्पताल ले जाता है, जिससे उनका धंधा प्रभावित हो रहा है। गिरजा शंकर से बहस हो गई। इसके बाद सैय्यद और अब्दुल अंसारी ने उससे गाली-गलौज की। विवाद के दौरान अब्दुल और सैय्यद ने चाकू निकाल लिया और गिरजा शंकर की गर्दन पर हमला करने का प्रयास किया। इस दौरान बचने की कोशिश में चाकू उसके कान पर लगा, जिससे कान का हिस्सा कटकर लटक गया और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

दुष्कर्म का फरार आरोपी नागपुर से हुआ गिरफ्तार

जांजगीर। नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में एक साल से फरार आरोपी को पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है। पश्चिम बंगाल, पुरलिया, टाटरी निवासी आरोपी मुसलिम शेख पिता शेख हालिम (19) के खिलाफ अकलतरा में 28 मार्च 2024 को धारा 354, 509, 509(ख) व पाक्सो एक्ट की धारा 8, 12 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपी ने नाबालिग से छेड़छाड़ की और सोशल मीडिया पर अश्लील मैसेज भेजे थे। पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी नागपुर में छिपा है। सूचना पर अकलतरा टीम नागपुर भेजकर उसे गिरफ्तार किया गया।

प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी करने वाले 10 आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग जिले में प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री के मामले में पुलिस ने 9 दिसंबर को तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले इस मामले में सात आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। अब तक कुल 10 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस के मुताबिक, 18 नवंबर को मोहन नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रतिबंधित टेबलेट की सप्लाई और अवैध बिक्री से जुड़े इस नेटवर्क का खुलासा होते ही पुलिस ने विवेचना तेज करते हुए दुर्ग, भिलाई और नागपुर में दबिश देकर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है। प्रतिबंधित दवाओं में अवैध कारोबार में अन्य आरोपियों की तलाश में मोहन नगर की पुलिस लगी हुई थी। इसी क्रम में पुलिस ने 9 दिसंबर को तीन और व्यक्तियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में सुरेन्द्र सिंह गर्ग , राजा पराशर और प्रदीप कौशल शामिल हैं। तीनों को जेल भेजा गया है। दूसरे राज्यों से दवाएं लाकर करते थे सप्लाई पुलिस ने बताया कि अवैध प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार से जुड़े ये सभी आरोपी दूसरे राज्यों से इन दवाओं को लेकर आते थे। यहां पर लाकर स्तर पर इन दवाओं को बेचते थे। इस कड़ी में दूसरे जिलों के आरोपी भी शामिल थे।

अधजले शव की गुत्थी सुलझी, शादीशुदा प्रेमी ने की थी हत्या, पुरई खेल मैदान में बरामद हुआ था महिला का शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में एक दिन पहले मिली महिला की जली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। 24 घंटे के भीतर पुलिस ने अंधे कत्ल का मामला सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। शादीशुदा प्रेमी ने शादी का दबाव बनाने के कारण युवती की हत्या कर पेट्रोल व पैरावट के साथ शव का जला दिया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बता दें कि 8 दिसंबर रविवार को सुबह कोटवार ग्राम पुरई केवलदास मानिकपुरी ने थाना उत्तई में सूचना दिया कि पुरई करगाडीह पाउवारा नहर के पास खेल मैदान में एक अज्ञात महिला का पेरा से अधजला शव पड़ा है।

सूचना के बाद मौके पर एफएसएल टीम, डाग स्क्काड़, एसीसीयू की टीम व थाना प्रभारी दल बल के साथ मौक पर पहुंचे। पुलिस ने ब्लाईड मर्डर को चुनौती के रूप में लिया।

गुमशुदा की शिकायत से मिला सुराग

एसएसपी ने तत्काल टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिया। पुलिस ने सभी थानों से गुम महिलाओं के संबंध में जानकारी जुटाई। इस दौरान पता चला कि सुपेला निवासी विजय बांधे ने मंगलवार 9 दिसंबर को उर्मिला निषाद की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शव मिलने के एक दिन बाद ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने पर पुलिस को शक हुआ और विजय बांधे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पहले तो विजय बांधे ने गुमराह करने की कोशिश की लेकिन ज्यादा देर तक वह छिपा नहीं सका और पूरी सच्च्चाई बता दी।

पुलिस की पूछताछ में विजय बांधे ने बताया कि वह केटरिंग का काम करता है। उर्मिला निषाद भी उसके साथ विगत 2-3 साल से केटरिंग का काम करती थी। काम के दौरान इनकी धनिष्ठता हो गयी थी।

विजय बांधे शादीशुदा था इसकी पत्नी गर्भवती थी। विजय बांधे को उर्मिला शादी के लिए दबाव बनाती थी जिससे इसका परिवारिक जीवन तनाव में रहता था और आर्थिक तंगी बनी रहती थी। इनमें पैसों के लेनदेन का विवाद भी होता था। पैसों की बात पर उर्मिला इसे सार्वजानिक रूप से बेइज्जत करती थी और विवाद करती थी जिसमें वह परेशान हो गया था उर्मिला से पीछा छुड़ाने का प्लान बनाया।

सुपेला हार्डवेयर लाइन से खरीदी चापड़

विजय बांधे ने बताया कि उसने सुपेला हार्डवेयर लाईन में धारदार चापड़ खरीदा ओर उमरपोटी पेट्रोल पंप से प्लास्टिक पानी की बोतल में पेट्रोल लिया। रविवार 7 दिसंबर की शाम 7.00 बजे गौतम नगर सुपेला में उर्मिला के घर जाकर उसे पाटन शादी पार्टी के काम में जाना है कहकर लेकर उतई पहुंचा। वहां से मोमोज और चाईनिंज पकौड़ा पैक कराया फिर पुराई में सुनसान नहर के पास मैदान मे ले गया। दोनो ने मोमोस और चाइनीज पकौडा खाया। इस दौरान दोनों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया।

चापड़ से गले पर किया वार और लगाई आग

विजय ने पहले ही हत्या की प्लानिंग कर रखी थी और उसने धारदार चापड़ से उर्मिला के गले में वार किया जिसमें वह गिर गई। गिरने पर पुनः वार किया और उस पर पेट्रोल डाल कर आग लगा दिया। आसपास के पैरा को एकत्र कर जलती आग में डाल दिया और मौके से बाईक में अपने गांव करगाड़ीह आ गया। एसएसपी विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन मे पुलिस ने चुनौतीपूर्ण अंधे कत्ल का खुलासा व मृतिका का पहचान 24 घंटे में किया है। पुलिस ने आरोपी विजय बांधे में उम्र 24 साल निवासी न्यू कृष्णा नगर सुपेला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नायब तहसीलदार पर धान तस्करी का लगा आरोप, ग्रामीणों ने किया हंगामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में धान खरीदी का सीजन जारी है। वहीं अवैध धान के परिवहन और खपाने को रोकने के लिए जिला प्रशासन विशेष निगरानी रख रहा है। इसी बीच रेंगाखार जंगल क्षेत्र (एमपी-सीजी बॉर्डर) से एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां नायब तहसीलदार पर धान तस्करी में शामिल होने के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने ही धान परिवहन के दौरान दो वाहन समेत नायब तहसीलदार को पकड़ा है। इस दौरान नायब तहसीलदार के साथ ग्रामीणों के बीच विवाद भी हुआ है।

मामला रेंगाखार जंगल तहसील क्षेत्र का है, ये एरिया एमपी-सीजी बॉर्डर पर है। इस मामले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होते ही मंगलवार देर रात 11.45 बजे जिला प्रशासन प्रेस रिलीज भी जारी की है। इसमें बताया गया कि रेंगाखार क्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान धान के अवैध परिवहन पर कार्रवाई के लिए पहुंची तहसील की टीम और स्थानीय लोगों के बीच भ्रम की स्थिति निर्मित हुई। जिसके कारण मौके पर उचित कार्रवाई नहीं हो पाई।

एसडीएम बोड़ला ने बताया कि उक्त घटना के दौरान पहुंचे दोनों वाहनों पर कार्रवाई की गई है। इन्हें जब्त कर झलमला थाना के सौंप दिया गया है। जांच में एक वाहन में धान व एक वाहन में कोदो होना पाया गया।

इसके बाद मंडी सचिव द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

रायपुर में दंपति के बीच विवाद का खौफनाक अंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

पत्नी की हत्या कर पति ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह इलाके में मंगलवार सुबह एक ऐसा मामला सामने आया जिसने पूरे मोहल्ले को स्तब्ध कर दिया। चंडी नगर में रहने वाले राजन गुप्ता ने कथित तौर पर अपनी पत्नी रेखा गुप्ता की जान ले ली और कुछ ही घंटों बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। पुलिस को शक है कि घरेलू तनाव और लगातार बढ़ रही कलह इस दोहरी त्रासदी की मुख्य वजह रही।

मिली जानकरी के अनुसार, सुबह पति-पत्नी के बीच कहासुनी बढ़ी और बात अचानक हिंसा तक पहुंच गई। गुस्से में राजन ने पत्नी की हत्या कर दी और वहां से निकल गया। कुछ समय बाद रेलवे ट्रैक से सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन से कटकर मारा गया है। पहचान होने पर पता चला कि वह राजन गुप्ता ही था।

मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें राजन ने घटना की जिम्मेदारी खुद पर लेते हुए मानसिक तनाव और टूटते रिश्तों का जिक्र किया है। पुलिस ने नोट को साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया है और इसकी सामग्री की गहराई से जांच की जा रही है। चंडी नगर के निवासी बताते हैं कि दंपति के बीच पहले भी झगड़े होते थे, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि बात इस कदर भयावह मोड़ ले लेगी। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

खम्हारडीह थाना पुलिस घर से मिले सबूतों की फॉरेंसिक जांच करा रही है। परिजनों से पूछताछ भी की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि रिश्ते में ऐसी टूटन की स्थिति कब और कैसे बनी। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने हत्या और आत्महत्या, दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस ने पकड़ा तंबाखू का जखीरा, 100 बोरी के साथ पिकअप जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस तंबाखू का जखीरा पकड़ा है। पुलिस ने 100 बोरी तंबाकू का परिवहन करते एक पिकअप जब्त किया है। जब्त तंबाखू की कीमत लगभग 1 लाख 11 हजार 360 रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 106 के तहत पूरा माल जब्त किया है।

साथ ही पिकअप चालक गौतम भगत (28) निवासी सरना टोली, थाना सिटी कोतवाली जशपुर को हिरासत में लिया है। बता दें एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में नशे के सौदागरों के खिलाफ ऑपरेशन आघात निरंतर जारी है।

पुलिस लगातार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में जशपुर पुलिस को लोदाम क्षेत्र से, 100 बोरी अवैध तंबाकू के साथ एक पिकअप वाहन को पकड़ने में सफलता मिली है।

रविवार को थाना लोदाम पुलिस के द्वारा लोदाम स्थित मंडी बैरियर के पास नेशनल हाइवे 43 पर, संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान एक पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 01-ईआर-6092 झारखंड की ओर से आता दिखाई देने पर , पुलिस के द्वारा उसे रोका गया।

पुलिस ने जब पिकअप की तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में कच्ची तंबाखू से भरी हुई मिली। पिकअप चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता ,गौतम भगत उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम सरनाटोली, थाना सिटी कोतवाली जशपुर, जिला जशपुर (छ. ग) का रहने वाला बताया।

पुलिस के द्वारा तंबाखू बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह चाईबासा झारखंड से माल लेकर जशपुर आ रहा था। उसके द्वारा दो रसीद दी गई, जिसमें माल भेजने वाले का पता मसर्स न्यू प्रसाद ब्रदर्श चाईबासा लिखा हुआ था। पिकअप चालक से तंबाखू के संबंध में वैध दस्तावेजों की मांग करने पर, उसके द्वारा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका। जिस पर पुलिस के बीएनएसएस की धारा 106 के तहत कार्यवाही करते हुए 100 बोरी तंबाखू सहित पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 01-ईआर-6092 को जब्त कर लिया गया है।

गौरतलब है कि जशपुर पुलिस के द्वारा विगत 09 दिनों में नशे के खिलाफ कार्यवाही करते हुए लोदाम क्षेत्र से तीन ट्रकों से 471 बोरी अवैध तुंबाखू उत्पाद को जप्त किया जा चुका है। मामले की कार्यवाही व अवैध तंबाखू की बरामदगी में थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक हर्षवर्धन चौरासे, प्रधान आरक्षक प्रदीप लकड़ा, आरक्षक अमर बेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मामले में एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि नशे के खिलाफ जशपुर पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है, लोदाम क्षेत्र में एक पिकअप के साथ 100 बोरी अवैध तुंबाखू को जप्त किया गया है।

सड़क किनारे असुरक्षित ढंग से गाड़ी खड़ी करने वाले 21 चालकों पर केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस ने सड़क किनारे लापरवाहीपूर्वक असुरक्षित तरीके से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत थाना स्तर पर पुलिस ऐसे वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सोमवार को दुर्ग-भिलाई के अलग-अलग क्षेत्रों से कुल 21 वाहन मालिकों के खिलाफ पुलिस ने धारा 285 बीएनएस के तहत कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार सड़क किनारे वाहनों को बेतरतीब खड़ा करने के कारण दुर्घटनाएं लगातार सामने आ रही थी। इसे देखते हुए दुर्ग पुलिस ने सड़क पर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की रक्षा और परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए ऑपरेशन सुरक्षा के तहत अभियान चलाया है। इस दौरान सभी थाने को अपने-अपने क्षेत्र में लापरवाह वाहन चालकों और स्वामी के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

सोमवार को कुल 21 वाहन मालिकों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया।

इस दौरान थाना पुलगांव, मोहन नगर, नेवई, सुपेला, खुर्सीपार, भिलाई 3 और नंदिनी पुलिस ने 2-2 प्रकरण और थाना दुर्ग, वैशाली नगर, कुम्हारी, उतई, पाटन, अंडा एवं अम्लेश्वर पुलिस ने 1-1 प्रकरण दर्ज किया। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भू-माफिया के खिलाफ आदिवासियों का मोर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बस्तर अंचल में आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जे और फर्जी खरीदी-बिक्री के खेल का एक और मामला सामने आया है। मंगलवार को संकनपल्ली के दर्जनों आदिवासी ग्रामीण मोदकपाल थाना पहुंचे, जहां उन्होंने जगदलपुर के कुख्यात भू-माफिया कमलदेव झा और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कमलदेव झा, भोला झा, प्रभाति झा, साकेत झा समेत कई लोगों ने अधिकारियों से सांठगांठ कर कूट-रचित दस्तावेज तैयार किए और उन दस्तावेजों के आधार पर आदिवासियों की जमीन अपने नाम करा ली।

ग्रामीणों के अनुसार, इस अवैध सौदे में तत्कालीन पटवारी, तहसीलदार और उप-पंजीयक की भी भूमिका रही है, जिनकी मदद से फर्जी दस्तावेज तैयार हुए और बिना ग्रामीणों की जानकारी के संकनपल्ली की जमीनों का कब्जा बदल गया। आरोप है कि झा परिवार ने बस्तर के दंतेश्वरी वार्ड में निवास के बावजूद संकनपल्ली की भूमि पर गैरकानूनी तरीके से खरीदी-बिक्री कर पट्टा भी बनवा लिया।

एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग

पीड़ितों ने सामूहिक आवेदन देकर धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज निर्माण सहित कई धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी सख्त कार्रवाई की मांग की, क्योंकि मामला सीधे तौर पर आदिवासी समाज की जमीन और अधिकारों से जुड़ा है।

थाने में जमा ग्रामीणों का कहना था हमारी पुश्तैनी जमीनें हमारे ही हाथों से छीनी जा रही हैं, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

संकनपल्ली निवासी बसवैया जव्वा ने बताया कि उन्हें यह जानकारी पटवारी से मिली कि उनकी पैतृक कृषि भूमि पर अचानक किसी कमलदेव झा का नाम दर्ज कर दिया गया है और नक्शा कटवाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। बसवैया कहते हैं मैंने कभी जीवन में जमीन नहीं बेची, न ही बेचने का विचार किया। फिर भी मेरी जमीन पर किसी सामान्य वर्ग के व्यक्ति का नाम चढ़ा दिया गया।

ट्रेलर की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में तीन दिन पहले कार सवार पांच लोगों की ट्रेलर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। हादसे के बाद ट्रेलक चालक फरार हो गया था। घटना के तीन दिन बाद पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक ग्राम भंडारों थाना बरही जिला हजारीबाग झारखंड निवासी रियाजुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के ट्रेलर को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

गौरतलब है कि 6 व 7 दिसंबर की दरम्यानी रात थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत ग्राम लोरो से पतराटोली के मध्य नेशनल हाइवे 43 पर पंडरी पानी मोड़ पर एक ट्रेलर व एक आई 20 कार की आपस में टक्कर होने की सूचना पर घटना स्थल से ग्रामीणों की सहायता से, कार सवार सभी 05 घायलों को निकाल कर एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां जांच उपरांत डॉक्टरों के द्वारा सभी पांचों व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के द्वारा सभी शवों का डॉक्टर से पोस्ट मार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया था।

मामले में पुलिस के द्वारा ट्रेलर चालक के विरुद्ध थाना दुलदुला में बी एन एस की धारा 281,106(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था।

प्रकरण का आरोपी वाहन चालक घटना के बाद से ही फरार था जिसकी पुलिस के द्वारा पतासाजी की जा रही थी। पुलिस के द्वारा आरोपी ट्रेलर चालक रियाजुद्दीन उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम भंडारों , थाना बरही, जिला हजारीबाग (झारखंड) को दुलदुला क्षेत्र से ही हिरासत में ले लिया गया है, व उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त ट्रेलर को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी ट्रेलर चालक मुंबई से लोहे- सीमेंट की इंडस्ट्रियल पाइप को लेकर पश्चिम बंगाल जा रहा था, इसी दौरान थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंडरी पानी मोड़ के पास, उसके द्वारा तेजी व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए, सामने से आ रही,आई 20 कार को ठोकर मार दी गई थी।

मामले की कार्यवाही व आरोपी ट्रेलर चालक को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी दुलदुला निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, प्रधान आरक्षक मोहन बंजारे, आरक्षक अलेक्सियूस तिग्गा व अकबर चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि दुलदुला क्षेत्र में हुई दुर्घटना के आरोपी ट्रेलर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

हर बच्चे को शिक्षा
हर सपने को पंख

स्कूल शिक्षा विभाग के बजट में **4.02% की वृद्धि**

₹277.84 करोड़ शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए नई योजनाएं

₹24.75 करोड़ 5 जिलों में डायट एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का विकास

₹23.89 करोड़ विद्यालय भवन निर्माण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कक्षा 1-2 में 16 स्थानीय व 4 अंतरराज्यीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें लागू

शिक्षक सशक्तीकरण

- **1,75,666 शिक्षकों** के प्रशिक्षण का लक्ष्य
- **7000** शिक्षकों, **3000** प्रधानाचार्यों एवं **2500** व्याख्याताओं की पदोन्नति

विद्यार्थियों के लिए विशेष पहल

- **32,916 विद्यालयों में 1,16,336 न्योता भोज**
- **34 नए** नालंदा परिसर निर्माणाधीन
- **15 विषयों में व्यावसायिक प्रशिक्षण** टूरिज्म, हॉस्पिटेलिटी, हेल्थकेयर आदि

नई पहल

- **341 पीएम श्री स्कूल प्रारंभ** बस्तर में 50 विद्यालय पुनः आरंभ
- **Ai आधारित डाटा विश्लेषण** व **मॉनिटरिंग** सिस्टम की स्थापना
- **₹1 करोड़** की लागत से नवा रायपुर में नया **B.Ed. कॉलेज** एवं **17 नए पदों का प्रावधान**

RO-45320/4

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

युक्तियुक्तकरण

- **100%** स्कूल अब शिक्षक विहीन नहीं
- **15,165** शिक्षकों का समायोजन
- **10,538** शालाओं का युक्तियुक्तकरण
- छात्र संख्या व उपस्थिति में वृद्धि
- अधोसंरचना विकास और प्रशासनिक मजबूती

संकल्प से सिद्धी की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950